TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

क्राइम इंस्पेक्टर एत्मादपुर लाइन हाजिर... (पेज-3)

पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | गुरूवार | दिनांक- 03.09.2026

बॉन्डेड डॉक्टर्स का लागू होगा समान वेतनमान: ब्रजेश पाठक

एजेंसी, लखनऊ।

दो साल के अनिवार्य सेवा बांड के तहत राजकीय मेडिकल कालेजों में कार्यरत डाक्टरों को पीएचसी, सीएचसी और एनएचएम की योजनाओं में कार्यरत डाक्टरों के बराबर वेतनमान मिलेगा।

यह घोषणा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने की। उन्होंने कहा कि गुरुवार तक शासनादेश जारी हो जाएगा। इस फैसले से 1,800 डाक्टरों को लाभ मिलेगा। बांडेड चिकित्सक वेतन संबंधी मांग को लेकर कई दिनों से आंदोलन कर रहे थे। बुधवार को हजरतगंज स्थित अटल चौक पर चल रहे धरने के बीच उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पहुंचे।

फोन पर दिए आवश्यक निर्देश

बारिश के बीच धरना स्थल पर पहुंचे पाठक ने चिकित्सकों की समस्याएं सुनीं और वेतन विसंगति दूर करते हुए समान वेतनमान लागू करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शासनादेश गुरुवार तक जारी कर दिया जाएगा। मौके से ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर आवश्यक निर्देश भी दिए। आश्वासन के बाद धरना दे रहे चिकित्सकों ने सरकार की पहल का स्वागत किया। पाठक ने डाक्टरों से कहा कि वे उनके परिवार का हिस्सा हैं। उनका सम्मान, अधिकार और हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। हर परिस्थिति में प्रदेश सरकार और व्यक्तिगत रूप से वह चिकित्सकों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

प्रदेश के साढ़े 3 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को मिली सौगात

एजेंसी, लखनऊ।

यूपी के साढ़े तीन लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रदेश की योगी सरकार ने सौगात दी है। आउटसोर्स कर्मचारियों की सैलरी में 7 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की वेबसाइट लॉन्च करने के साथ ही इसका लोगो लॉन्च किया और आउटसोर्स कर्मचारियों को चेक भी बांटे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। कर्मचारियों को 50 लाख रुपये तक का बीमा कवर, आकस्मिक दवा के लिए 5 लाख और एयर एंबुलेंस के लिए 10 लाख रुपये की सहायता भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीकोस) के लोगो का अनावरण किया। इस दौरान निगम की वेबसाइट और पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यूपीकोस के जरिये प्रदेश के विभिन्न विभागों में काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारियों का एकीकृत रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। अभी कर्मचारियों से जुड़ी जानकारी अलग-अलग विभागों और आउटसोर्स एजेंसियों के स्तर पर रखी जाती है। नई व्यवस्था में इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। पोर्टल पर कर्मचारी की भर्ती, तैनाती, उपस्थिति और भुगतान से जुड़ी जानकारी दर्ज की जाएगी।

राममंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा

चंपत राय की जगह गोविंद देव गिरि महासचिव बने, ट्रस्ट में 3 नए सदस्य शामिल

एजेंसी, अयोध्या।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में बड़ा फैसला ले लिया गया है, जिसमें पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को राम मंदिर के नए और सबसे पहले सीईओ के तौर पर चुना गया। पहला नाम एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, दूसरा मेजर जनरल संजय प्रताप सिंह विश्वास राव और तीसरा नाम श्रुति का था। लेकिन ट्रस्ट ने एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को यह जिम्मेदारी देने का फैसला लिया। ऑपरेशन सिंदूर में एयर कमांड में इनकी लीडरशिप रही। नियमित महासचिव के लिए गोविंद देव गिरी को जिम्मेदारी दी गई है। कोषाध्यक्ष का पदभार महेश भागचंद को दिया गया है।

वहीं, ट्रस्ट की बैठक में नए महासचिव की भी घोषणा कर दी गई। गोविंद देव गिरी ट्रस्ट के नए महासचिव होंगे। बैठक में ट्रस्ट के तीन नए सदस्यों की भी घोषणा की गई है। नए शामिल होने वाले सदस्यों में मदन मोहन पांडेय अयोध्या के, महेश भागचंदका दिल्ली के और निर्मला यादव अयोध्या से हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यवाहक महासचिव कृष्ण मोहन ने बताया कि 16 लोगों के इंटरव्यू हुए थे। इनमें से तीन नाम चुने गए थे जिनमें एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, मेजर जनरल संजय प्रताप सिंह और श्रुति भारद्वाज के नाम शामिल थे। सीईओ पद के लिए जितेंद्र मिश्रा का नाम फाइनल किया गया है। इसके अलावा, राम मंदिर के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि नए महासचिव बनाए गए हैं।

कृष्ण मोहन ने बताया कि मदन मोहन पांडेय अयोध्या के रहने वाले हैं। पेशे से वकील हैं। वह राम जन्मभूमि-बाबरी विवाद मामले में रामलला की ओर से कानूनी पैरवी करने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं।

डॉ. निर्मला यादव शिकोहाबाद की रहने वाली हैं। वह हिंदी और संस्कृत में परास्नातक हैं। उन्हें विश्वविद्यालय में 15 साल तक काम करने का अनुभव है। बैठक में प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ऑनलाइन जुड़े। दूसरी बैठक दोपहर 3 बजे से हुई जिसमें राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा भी शामिल हुए।

एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा मूल रूप से देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के विमानों पर उड़ान भरी और 3,000 घंटे से ज्यादा का उड़ान अनुभव हासिल किया। कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर भी रहे हैं।

इसके अलावा एकीकृत रक्षा स्टाफ में उप प्रमुख (सिद्धांत, संगठन एवं प्रशिक्षण) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। देश के साथ अमेरिका और ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मिश्रा के पास बड़े संगठन के संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव है।

कौन हैं जितेंद्र मिश्रा?

एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्रा को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उएड) नियुक्त करने के पीछे कई वजहें हैं। भारतीय वायुसेना में करीब 40 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी वायु कमान की कमान संभाली थी। ट्रस्ट ने राम मंदिर के निर्माण चरण से आगे बढ़कर उसके संचालन, प्रबंधन और भविष्य की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए पहली बार पूर्णकालिक उएड का पद बनाया है। उएड चयन के लिए 5,585 आवेदन मिले थे, जिनमें से 16 उम्मीदवार अंतिम चरण तक पहुंचे। चयन समिति ने तीन नामों का पैनल ट्रस्ट को सौंपा, जिसके बाद जितेंद्र मिश्रा के नाम पर मुहर लगी।
स्वामी गोविंद देव गिरी और राजकुमार दास के बीच

सैन्य अनुशासन से मंदिर प्रबंधन तक

राम मंदिर के सीईओ के रूप में उनकी नियुक्ति को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मंदिर अब निर्माण के चरण से आगे बढ़कर व्यवस्थित संचालन और वैश्विक धार्मिक-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था, कर्मचारी प्रबंधन, सुविधाओं का विस्तार और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय जैसी जिम्मेदारियां सीईओ के सामने होंगी। ऐसे में सैन्य सेवा से आए मिश्रा के अनुशासन, नेतृत्व, बड़े संस्थान के प्रबंधन और समन्वय के अनुभव को ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देवरिया के छोटे से गांव भोपतपुरा से भारतीय वायुसेना के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे मिश्रा का अब अयोध्या के राम मंदिर के पहले सीईओ के रूप में नया अध्याय शुरू हुआ है।

यूपी: शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी की कार्ययोजना जारी, सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य की थी टीईटी परीक्षा, 150 अंकों की होगी

लखनऊ। प्रदेश में कार्यरत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) कराने की कार्ययोजना जारी कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किया गया है। इसी के तहत विशेष टीईटी आयोजित कराने की तैयारी शुरू हो गई है। विशेष टीईटी 150 अंकों की होगी। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कार्यरत शिक्षकों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत परीक्षा में शामिल होना होगा। परीक्षा की तिथि, आवेदन प्रक्रिया और अन्य विस्तृत दिशा-निर्देश संबंधित विभाग की ओर से जारी किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को लेकर विभाग ने विशेष परीक्षा की कार्ययोजना तैयार की है। इसका उद्देश्य पात्रता मानकों को पूरा कराने के साथ शिक्षकों की योग्यता का आकलन करना है।

उत्तराखंड में भारी बारिश, 12 मौतें: बिहार में बाढ़ का खतरा

यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे फिर धंसा, मप्र के चित्रकूट में 400 दुकानें डूबीं

एजेंसी, नई दिल्ली।

उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं।

इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है।

रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

यूपी: सड़क धंसने से 10 फीट गहरा गड्ढे में गिरा बाइक सवार

यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। बुधवार को लखनऊ, कानपुर, बरेली और उन्नाव समेत 64 जिलों में बारिश हुई। लखनऊ में बारिश के बीच सड़क धंसने से करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इसमें बाइक सवार युवक गिर गया।

दिल्ली में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम जिले को छोड़कर दिल्ली के सभी हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है।

झारखंड के 3 जिलों में स्कूल बंद

झारखंड के पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों में अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) की चेतावनी के बीच बुधवार को सभी स्कूल बंद रहे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार के लिए झारखंड के 10 जिलों—गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सिमडेगा—में अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

दिल्ली में बारिश ने दी उमस से राहत

दिल्ली में बुधवार को बारिश हुई,

अजय राय ने सीएम योगी के खिलाफ दाखिल किया मानहानि परिवाद, 25 को होगी पहली सुनवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का परिवाद दाखिल किया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की अदालत में दाखिल परिवाद में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। मामले में पहली सुनवाई 25 सितंबर 2026 को होगी।

अजय राय के अधिवक्ता संजीव पांडेय ने अदालत में परिवाद दाखिल करते हुए आरोप लगाया कि 23 अगस्त को अयोध्या में कांग्रेस नेता राम निहाल निषाद की ओर से निषाद समाज का कार्यक्रम और जनसभा आयोजित की गई थी। इसमें अजय राय को संबोधित करने के लिए बुलाया गया था। कार्यक्रम के बाद निषाद समाज की परंपरा के अनुसार मत्स्य भोज का आयोजन हुआ था। परिवाद के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के दौरान अजय राय की तस्वीरें मीडिया में प्रसारित हुईं।

एमपी के रीवा में बड़ा हादसा:

सीधी मार्ग पर बस-बल्कर में भिड़ंत, तीन लोगों की मौत, 10 से ज्यादा लोग घायल

एजेंसी, रीवा।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 39 पर एक सड़क दुर्घटना हुई है। यह हादसा बदबार स्टैंड के पास हुआ है। सीधी की ओर से आ रही पवन एक्सप्रेस बस और रीवा की ओर से आ रहे बल्कर के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इसमें तीन लोगों के मौत हुई है।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय निवासियों ने तुरंत गुढ़ थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया।

दुर्घटना में लगभग 20 लोग घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल एम्बुलेंस और अन्य वाहनों से संजय गांधी अस्पताल रीवा भर्ती कराया गया। रीवा हुजूर एसडीएम अनुराग तिवारी ने बताया कि बस में 43 लोग सवार थे। जिनमें से तीन लोगों की अभी तक मौत हुई है। सात गंभीर घायल हैं और पांच लोगों को सामान्य चोट आई है।

बचाव और राहत कार्य

घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता से जारी है। पुलिस और प्रशासन की टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासन द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हादसे के बाद की स्थिति

इस भीषण दुर्घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर यातायात भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। मृतकों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया चल रही है।

दिल्ली गैंगरेप केस- पीड़ित और आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले: ड्राइवर-कंडक्टर के कपड़े भी जब्त

चलती बस में 16 साल की छात्रा से रेप का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप के मामले में पुलिस को फोरेंसिक जांच में अहम सबूत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बस से छात्रा और दोनों आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले हैं। बस की सीटों और स्टीयरिंग व्हील से भी फोरेंसिक सैंपल लिए गए हैं।

ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप के कपड़े भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस अब उध्अ रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी है। दोनों आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस भी जब्त की गई है।

मामला 4 अगस्त की रात का है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली 11वीं की छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से बस में बैठी थी। करीब 47 किलोमीटर बाद उसे कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर छोड़ दिया गया था। छात्रा ने बाद में पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। 31 अगस्त को घटना सामने आई।

घर में झगड़े के बाद निकली थी छात्रा

पुलिस के मुताबिक, छात्रा परिवार में झगड़े के बाद बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने कजिन के घर जाने के लिए निकली थी। मैनपुरी से निकलने के बाद वह बारिश और अंधेरे के बीच परी चौक पर उतर गई। यहां नोएडा जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रही थी, तभी एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी।

छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर और कंडक्टर ने उसे बस में बैठा लिया और बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बस चलने के कुछ समय बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ब्रज क्षेत्र को सीएम योगी देंगे 977 करोड़ रुपये की सौगात

540 करोड़ की 57 परियोजनाओं का लोकार्पण और 437 करोड़ की 167 नई योजनाओं का होगा शिलान्यास

- श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का करेंगे उद्घाटन, पीएम और सीएम आवास के लाभार्थियों को सौंपेंगे चाबी
- मथुरा प्रवास के दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि में दर्शन और गो पूजन करेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी, मथुरा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ब्रज क्षेत्र को विकास की नई सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री 3 सितंबर को दो दिवसीय प्रवास पर मथुरा आ रहे हैं, जहां वे ब्रजवासियों को करीब 977 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का बड़ा उपहार देंगे। इस भव्य समारोह के दौरान 540 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे शहर के बुनियादी ढांचे और पर्यटन को नई मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही 437 करोड़ रुपये की लागत वाली 167 नई योजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री पीएम आवास (शहरी) और सीएम आवास (ग्रामीण) योजना के लाभार्थियों को उनके सपनों के मकान की चाबी और प्रमाण पत्र भी सौंपेंगे।

श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का करेंगे लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दो दिवसीय मथुरा प्रवास विकास और धर्म के अद्भुत संगम का साक्षी बनेगा। तय कार्यक्रम के अनुसार 3 सितंबर को दोपहर में सीएम योगी का राजकीय हेलीकॉप्टर वृंदावन स्थित पवनहंस हेलीपैड पर उतरेगा। वहां से वे गीता शोध संस्थान पहुंचेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नवनिर्मित और अत्याधुनिक 'श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह' का भव्य लोकार्पण करेंगे। जहां एक हजार लोगों के बैठने की उत्कृष्ट व्यवस्था है।

संतों से मिलेंगे और बच्चों को कराएंगे अन्नप्राशन संस्कार

इस कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी प्रो-पुअर प्रदर्शनी का अवलोकन, वृक्षारोपण, संतों से मुलाकात करेंगे और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराएंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व चेक वितरित कर जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यों की प्रगति जानने के लिए अहम समीक्षा बैठक करेंगे।

'कान्हा भक्ति स्तम्भ मार्ग' का भ्रमण और अवलोकन

समीक्षा बैठक के पश्चात मुख्यमंत्री वृंदावन के होटल विवान्ता में 'आज तक' न्यूज चैनल के 'पंचायत आज तक' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। इसके बाद वे वृंदावन में विकसित किए गए भव्य 'कान्हा भक्ति स्तम्भ मार्ग' का भ्रमण और अवलोकन करेंगे। इन कार्यक्रमों के बाद शाम को वे पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, मथुरा पहुंचेंगे और परिसर स्थित अशोका अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे।

जन्मभूमि में दर्शन और गो पूजन करेंगे सीएम योगी

अगले दिन शुक्रवार 4 सितंबर को सुबह सीएम योगी श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर पहुंचेंगे। यहां वे सबसे पहले गो पूजन करेंगे और उसके बाद मुख्य मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन व विशेष पूजन अर्चना करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री प्रस्थान कर जाएंगे।

कल्पनाशक्ति को विकसित करने का मिलता है मौका

नवाचार और रुचिपूर्ण शिक्षण से नैनाना जाट विद्यालय में बढ़ रहा बच्चों का उत्साह

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है और समाज में सकारात्मक बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम भी। इसी विचार को आधार बनाकर उच्च प्राथमिक विद्यालय नैनाना जाट (कम्पोजिट), बरौली अहीर, आगरा में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रुचिपूर्ण और आनंदमय वातावरण उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

विद्यालय में सहायक अध्यापिका के रूप में कार्यरत शिक्षिका का मानना है कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करना भी है। इसी सोच के साथ बच्चों को खेल-खेल में सीखने, प्रश्न पूछने, जिज्ञासा व्यक्त करने और अपनी कल्पनाशक्ति को विकसित करने के अवसर दिए जाते हैं।

विद्यालय में शिक्षा को रोचक बनाने के लिए विभिन्न नवाचारों और गतिविधियों को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़ा गया है। मीना मंच, करके सीखो, बैंड टीम और स्मार्ट सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता प्रदर्शित करने के अवसर मिल रहे हैं। शिक्षिका का प्रयास रहता है कि प्रत्येक दिन विद्यालय से विदा होते समय बच्चों के मन में कुछ नए प्रश्न और जिज्ञासाएं हों, ताकि वे अगले दिन उन प्रश्नों के उत्तर जानने की उत्सुकता के साथ विद्यालय आएं। इस प्रकार सीखना बच्चों के लिए केवल पढ़ाई नहीं, बल्कि एक रोचक अनुभव बन रहा है।

शिक्षक बने बच्चों के भविष्य के 'कुम्हार'

बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण को लेकर शिक्षिका का मानना है कि मासूम बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं। उन्हें जिस प्रकार का आकार और संस्कार दिया जाए, वे उसी रूप में ढलते हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि शिक्षक स्वयं एक अच्छे कुम्हार की भूमिका निभाएं और धैर्य, प्रेम तथा सही दिशा के साथ बच्चों के भविष्य को आकार दें। उच्च प्राथमिक विद्यालय नैनाना जाट (कम्पोजिट) में नवाचार, गतिविधि आधारित शिक्षण और सकारात्मक वातावरण के माध्यम से इसी सोच को साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय का लक्ष्य है कि प्रत्येक बच्चा उत्साह के साथ विद्यालय आए, रुचि के साथ सीखे और आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की ओर कदम बढ़ाए।

प्रार्थना सभा से शुरू होता है सीखने का सिलसिला

विद्यालय की सुबह की प्रार्थना सभा भी बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है। प्रार्थना और राष्ट्रगान के साथ बच्चों को प्रेरणा गीत सुनाए जाते हैं, समाचार-पत्र का वाचन कराया जाता है तथा पीटी और योग जैसी गतिविधियां कराई जाती हैं। प्रार्थना सभा में ही लगभग 90 प्रतिशत बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो जाती है। इससे विद्यालय के प्रति बच्चों के उत्साह और जुड़ाव का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

नवाचार से बढ़ा विद्यालय के प्रति आकर्षण

विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में पहले भी कमी नहीं थी, लेकिन नए-नए नवाचारों और गतिविधियों को अपनाने के बाद बच्चों की संख्या में और वृद्धि देखने को मिली है। गतिविधि आधारित शिक्षण ने बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने और सीखने के नए अवसर प्रदान किए हैं, वहीं अभिभावकों में भी विद्यालय के प्रति विश्वास और आकर्षण बढ़ा है। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल बेहतर शैक्षिक परिणाम प्राप्त करना नहीं, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा, अनुशासन, रचनात्मकता और सीखने की आदत विकसित करना है।

बिजली कटौती को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद। रूपपुर विद्युत केंद्र से जुड़े गांवों में लगातार विद्युत कटौती और कम आपूर्ति की समस्या को लेकर बुधवार को भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ फतेहाबाद को ज्ञापन सौंपा गया। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बेहद खराब है और लंबे समय तक बिजली कटौती होने से किसान, विद्यार्थी और आम उपभोक्ता परेशान हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उन्होंने विद्युत आपूर्ति में सुधार कर समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की। एसडीओ गौरव राजपूत ने मामले का संज्ञान लेते हुए मौके पर ही संबंधित जेई को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति अनावश्यक रूप से बाधित नहीं होनी चाहिए और समस्या का समाधान कराया जाए। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीणों को नियमित और पर्याप्त बिजली मिलना जरूरी है। यदि निर्देश के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो संगठन ग्रामीणों के साथ आगे की रणनीति तय करेगा। ज्ञापन देने वालों में जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह, तहसील अध्यक्ष बीरी सिंह, वीरभान सिंह फौजी, सुनील यादव, जितेंद्र शर्मा, रामेश्वर, मनीष सहित क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस संग एसीपी ने किया पैदल गश्त

खेरागढ़। नवागत एसीपी खेरागढ़ सुनीता सिंह चौहान ने बुधवार को कस्बे में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ थाना प्रभारी हरीश कुमार शर्मा मय फोर्स भी मौजूद रहे। एसीपी ने बाजार और प्रमुख मार्गों पर भ्रमण करते हुए पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पैदल गश्त के दौरान एसीपी ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला की तलाश में जुटे गोताखोर

बेटे समझे बहन के घर गई मां, नदी में कूदते राहगीरों ने देख लिया

टीएनएफ टुडे, बाह।

फकीरे की मढैया गांव स्थित पुल से बुधवार सुबह 6.30 बजे चित्राहाट के पुरा बीरवल गांव की कल्लो देवी (75) यमुना नदी में कूद गई। बेटे समझ रहे थे कि वह अपनी बहन के घर गई है। राहगीरों ने नदी में कूद रही वृद्धा को देखा और गांव में जानकारी दी तो सन्न रह गये। सूचना पर पहुंची चित्राहाट पुलिस वृद्धा की तलाश करा रही है। पुरा बीरवल गांव की कल्लो देवी पत्नी शोभाराम के 4 बेटे प्रेम सिंह, सत्यवान, देशराज, रमेश हैं। बेटों ने पुलिस को बताया कि कल्लो देवी अक्सर अपनी बहन के घर चली जाती थी, 2-3 दिन में वापस लौट आती थी। बुधवार तड़के बिना बताए घर से गई तो अनुमान लगाया था कि बहन के घर गई होगी। अत्यधिक उम्र की बजह से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। सुबह 6.30 बजे पुल से कूदने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो उनकी चप्पल पुल पर पड़ी मिली हैं। बेटे रमेश ने चित्राहाट पुलिस को घटना की जानकारी दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन और पूछताछ की। यमुना नदी का बहाव तेज है। स्थानीय गोताखोरों ने पुल के आस पास उनको तलाशा, लेकिन सुराग नहीं लगा। पुलिस गोताखोरों की मदद से तलाश कराई, नदी का बहाव तेज होने की बजह से कामयाबी नहीं मिली तो पीएसी के गोताखोर बुलाए गये।

गोताखोर महिला की तलाश में यमुना नदी को खंगालने में जुटे हैं। बाह के तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ राजस्व विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वृद्धा की कुशलता को लेकर परिजन चिंतित हैं।

तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ का कहना है कि यमुना का बहाव तेज है। नदी में कूदी वृद्धा को पीएसी के गोताखोर तलाश रहे हैं। चित्राहाट पुलिस मामले की जांच कर रही है, राजस्व टीम भी नदी पर डेरा डाले है।

घर-घर संपर्क से बढ़ा शिक्षा के प्रति विश्वास

नवाचार से बदली नानपुर विद्यालय की तस्वीर, गतिविधि आधारित शिक्षण पर जोर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

विकासखंड बिचपुरी स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय नानपुर में शिक्षकों के निरंतर प्रयासों से विद्यालय के शैक्षिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बच्चों को विद्यालय से जोड़ने और उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय परिवार द्वारा गांव में जाकर अभिभावकों से संपर्क किया गया। समय-समय पर जागरूकता रैलियों के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया, जिससे विद्यालय और समुदाय के बीच बेहतर जुड़ाव बना।

बच्चों की नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में 100 प्रतिशत उपस्थिति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाता है। इस पहल से बच्चों में नियमित रूप से विद्यालय आने के प्रति उत्साह बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षक अभिभावक बैठकों के माध्यम से अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा से जोड़ा गया है और उनके सहयोग एवं सहभागिता को सम्मान दिया जाता है।

विज्ञान मॉडल के माध्यम से सीखने में बढ़ी रुचि

विद्यालय में विज्ञान विषय को बच्चों के लिए अधिक रुचिकर बनाने के लिए मॉडल आधारित गतिविधियों को अपनाया गया है। विद्यार्थी स्वयं विज्ञान मॉडल तैयार करते हैं और उनके माध्यम से विभिन्न विषयों को समझने का प्रयास करते हैं। इससे बच्चों में वैज्ञानिक विषयों के प्रति रुचि और जिज्ञासा विकसित करने में मदद मिल रही है।

मीना मंच से मिला अपनी बात रखने का अवसर

विद्यालय में मीना मंच की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपनी बात रखने, विभिन्न विषयों पर चर्चा करने और सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर दिया जाता है। ऐसी गतिविधियों से बच्चों में आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

योग, समाचार-पत्र पाठन शिक्षण का हिस्सा

विद्यालय में शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को योग कराया जाता है, जिससे वे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों। समाचार-पत्र पठन के माध्यम से बच्चों बच्चों में पढ़ने की आदत और अपने आसपास की घटनाओं के प्रति रुचि विकसित की जा रही है। विद्यालय में वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा जाता है।

समुदाय की सहभागिता से सकारात्मक बदलाव

विद्यालय में किए जा रहे इन प्रयासों का उद्देश्य बच्चों को केवल विद्यालय तक लाना नहीं, बल्कि उन्हें सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ना है। गांव में संपर्क, अभिभावकों की सहभागिता, नियमित उपस्थिति के लिए प्रोत्साहन तथा विज्ञान और सह-शैक्षिक गतिविधियों ने विद्यालय में सीखने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने में योगदान दिया है।उच्च प्राथमिक विद्यालय नानपुर की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक , अभिभावक और समुदाय मिलकर निरंतर प्रयास करें तो विद्यालय में शिक्षा के प्रति रुचि और सकारात्मक वातावरण को मजबूत किया जा सकता है।

सड़क हादसों में महिला समेत चार घायल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत चार घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पहली घटना बुधवार को 2:30 बजे के करीब हुई आगरा- फतेहाबाद मार्ग पर मढ़ायना चौकी के पास खड़ी एक कार में फतेहाबाद की तरफ से आ रही एक स्कूटी टकरा गई। हादसे में कालू उर्फ कलुआ पुत्र इस्तकार निवासी घाट चौराहा बाबरी मस्जिद स्टेशन रोड थाना एत्माद्दौला आगरा उसका साथी दिलशाद पुत्र गफ्फार घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। दूसरी घटना बाह रोड बाईपास पर हुई जहां एक कार से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार अजब सिंह पुत्र खेमचंद निवासी गढ़ चौराहा फतेहाबाद व उनकी पत्नी कमलेश घायल हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अवैध खनन में लिप्त 9 डंपर सीज

खेरागढ़। तहसील क्षेत्र में अवैध खनन परिवहन ओवरलोड वाहनों के खिलाफ प्रशासन का सख्त अभियान लगातार जारी है। आगरा ग्वालियर हाईवे, जगनेर रोड, नवाब बसई रोड समेत राजस्थान को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों और लिंक रोडों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। एसडीएम नरेंद्र गंगवार के निर्देशन में चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान थाना खेरागढ़ क्षेत्र के नगला कमाल क्षेत्र से गुजर रहे दो डंपरों को नायब तहसीलदार अनुज दीक्षित द्वारा रोककर जांच की गई। चालक वाहनों से संबंधित आवश्यक प्रपत्र नहीं दिखा सके। जांच में वाहन ओवरलोड पाए जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए डंपरों को स्थानीय पुलिस की सुपुर्दगी में मंडी समिति खेरागढ़ में खड़ा करा दिया गया। जबकि बुधवार शाम 7 और डंपरों को सीज करने की कार्रवाई की गई। बता दें कि लगातार हो रही कार्रवाई से ओवरलोड और बिना प्रपत्र वाहन संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने बताया कि अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बालकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता ने मन मोहा

आगरा। श्यामलाल सरस्वती विद्या मन्दिर जमुना ब्रिज में 50 बालकृष्ण की बाल लीलाओं का अनूठे प्रर्दशन ने सभी का मन मोह लिया। इसमें प्रथम वर्ग, द्वितीय वर्ग, तृतीय वर्ग, चतुर्थ वर्ग के कार्यक्रम में शिशु वाटिका के नन्हे मुन्ने करीब 45 भैया-बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पधारे अतिथि राज बहादुर राज प्रति. समन्वयक, निर्णायक अनीता जैन व रवीना ने बच्चों के प्यारे- प्यारे स्वरूपों की बड़ी प्रशंसा की। संजीव दौनेरिया (प्रबंधक) ने सभी बच्चों को सप्रेम उपहार भेंट देकर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में बच्चों की माताओं ने भी यशोदा रूप में प्रस्तुति दी। इसमें रेनू यादव, प्रीति कुमारी, वर्षा परिहार, गीता सिंह, निहारिका ने बहुत ही सुंदर यशोदा रूप में प्रस्तुति दी। जिसमें नृत्य, कृष्ण लीला, भजन आदि की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों ने सहायता की, जिसमें बहन इनाया की माता रुबीना ने भी मां यशोदा की प्रस्तुति दी। विद्यालय में प्रधानाचार्य उत्तम सिंह ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

ब्राह्मण समाज को वोटबैंक समझना बंद करे सपा: केके भारद्वाज

आगरा। भाजपा नेता केके भारद्वाज ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सपा का दोहरा राजनीतिक चरित्र अब पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। चुनाव आते ही ब्राह्मण समाज को साधने के लिए पीडीए में ह्यपीढ्ढ को ह्यपंडितह्ण बताया जाता है। लेकिन दूसरी ओर सपा नेताओं के कथित बयानों और पोस्टरों में इसी समाज के प्रति अपमानजनक भाषा सामने आती है। यह राजनीति नहीं, बल्कि ब्राह्मण समाज के सम्मान के साथ खिलवाड़ है। भारद्वाज ने कहा कि सपा को यह स्पष्ट करना होगा कि वह ब्राह्मण समाज का सम्मान करती है या उसे केवल चुनावी वोट बैंक समझती है। यदि सपा नेतृत्व वास्तव में ऐसी भाषा और पोस्टरों का समर्थन नहीं करता, तो अखिलेश यादव तत्काल अपना पक्ष स्पष्ट करें और संबंधित लोगों पर कार्रवाई करें। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के पूर्व कथित आपत्तिजनक बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे बयानों के खिलाफ विरोध हुआ तथा विभिन्न स्थानों पर शिकायतें और ऋक्कक्र दर्ज होने की बात सामने आई थी। उन्होंने कहा कि बार-बार विवादित टिप्पणियां सामने आने के बावजूद सपा नेतृत्व की चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। केके भारद्वाज ने कहा कि ब्राह्मण समाज किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं है। यह समाज देश की ज्ञान, संस्कार, संस्कृति और राष्ट्रसेवा की परंपरा का वाहक रहा है। कोई भी राजनीतिक दल सत्ता की लालसा में समाज के सम्मान से खिलवाड़ करेगा तो उसका लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने अखिलेश यादव से सीधा सवाल किया—क्या सपा ब्राह्मण समाज के कथित अपमान को स्वीकार करती है? क्या ऐसे पोस्टरों और बयानों पर पार्टी नेतृत्व की सहमति है? भारद्वाज ने कहा कि अखिलेश यादव अब चुप्पी तोड़ें, अपना दोहरा चरित्र स्पष्ट करें और ब्राह्मण समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। केवल चुनाव के समय ह्यपंडितह्ण याद करने और चुनाव के बाद अपमानजनक भाषा पर मौन रहने की राजनीति अब नहीं चलेगी।

लोगों ने मजाक उड़ाया, पत्नी भी रूठी...

- आगरा के उदय ने नहीं तोड़ा अपना संकल्प
- अब 4 साल बाद कटवाएंगे बाल और दाढ़ी
- पुरानी जिद अब जाकर पूरी होने वाली है

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर में एक शख़्स की चार साल पुरानी जिद अब जाकर पूरी होने वाली है। यहां सैंया क्षेत्र के मुखरई गांव के रहने वाले उदय सिंह पिप्पल ने घर से अपनी लाइसेंसी राइफल चोरी होने के बाद कसम खाई थी कि जब तक राइफल वापस नहीं मिलेगी, तब तक वह बाल और दाढ़ी नहीं कटवाएंगे। साल बीतते गए, बाल और दाढ़ी बढ़ते गए, लेकिन उदय सिंह अपनी बात पर टिके रहे।

इस दौरान उन्हें गांव के लोगों के ताने भी सुनने पड़े। परिवार में भी इस जिद को लेकर नाराजगी हुई। उनकी पत्नी तो नाराज होकर मायके तक चली गई थीं। हालांकि कुछ समय बाद वह वापस घर आई। लेकिन उदय सिंह ने अपना फैसला नहीं बदला।

अब चार साल बाद पुलिस ने राइफल चोरी के मामले में 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी हुई राइफल भी बरामद हो गई है। इसके बाद उदय सिंह ने अब बाल और दाढ़ी कटवाने का फैसला किया है। उदय सिंह ने बताया कि 2022 की बात है। जब चोरों ने उनके घर में धावा बोला था। इस दौरान चोरी के दौरान सिर्फ राइफल ही नहीं ले गए। बल्कि चार लाख रुपये नकद, 22 तोला सोने के जेवर चोरी हुए। उदय सिंह के मुताबिक, उनकी लाइसेंसी राइफल परिवार के लिए बहुत खास थी। चोरी के बाद गांव में लोग उन्हें ताना देने लगे कि अपनी राइफल तक नहीं बचा पाए। ये बातें उन्हें लगातार परेशान करती रहीं। इसी के बाद उन्होंने तय किया कि अब जब तक राइफल वापस नहीं आएगी। वह बाल और दाढ़ी नहीं कटवाएंगे। उनका कहना है कि उन्हें ऐसा लगता था कि चोर सिर्फ राइफल नहीं ले गए, बल्कि उनकी प्रतिष्ठा पर भी चोट पहुंची है। इतना ही नहीं उनकी इस प्रतिज्ञा का असर घर पर भी पड़ा। उनकी पत्नी उनसे नाराज होकर मायके चली गई। हालांकि मानने पर कुछ समय बाद वह घर भी लौट आईं। लेकिन, पत्नी के लौटने के बाद भी उदय सिंह अपनी कसम को लेकर नहीं बदले। चार साल तक उनके बाल और दाढ़ी बढ़ते रहे। लोग उन्हें देखकर बातें बनाते रहे, लेकिन वह लगातार अपनी राइफल वापस मिलने का इंतजार करते रहे। चार साल में उदय सिंह के बाल और दाढ़ी काफी लंबे हो गए। वह बताते हैं कि उन्होंने इन्हें इसलिए नहीं कटवाया क्योंकि हर बार इन्हें देखकर उन्हें अपनी चोरी हुई राइफल याद आती थी। वह लगातार कोशिश करते रहे कि किसी तरह उनकी राइफल बरामद हो जाए। आखिरकार चार साल बाद पुलिस की कार्रवाई रंग लाई। राइफल चोरी के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी हुई और पुलिस ने चोरी की लाइसेंसी राइफल भी बरामद कर ली।

खेरागढ़ पुलिस और एसओजी की टीम ने 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी ध्रुव सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ध्रुव सिंह राजस्थान के धौलपुर जिले में डाग बसई थाना क्षेत्र के गांव रजई का रहने वाला है।

रोडवेज बसों में बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त सफर

आगरा। उत्तर प्रदेश सरकार की लोकमाता अहिल्याबाई मातृ शक्ति यात्रा योजना के तहत अब आगरा समेत पूरे प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की साधारण बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा परिक्षेत्र ब्रह्मप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि मुख्यालय के आदेशानुसार योजना को सुचारू और पारदर्शी रूप से लागू करने के लिए सभी डिपो प्रभारियों व परिचालकों को सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं। योजना का लाभ केवल उत्तर प्रदेश की मूल निवासी और 60 वर्ष से अधिक आयु की महिला यात्रियों को मिलेगा। पात्रता जांचने के लिए बस परिचालक को यात्रा के समय आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। भविष्य में स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया अलग से शुरू की जाएगी। परिचालक पहचान पत्र का मिलान कर ईटीएम मशीन शून्य मूल्य का टिकट जारी करेंगे। टिकट पर बस नंबर और यात्रा का पूरा ब्योरा दर्ज होगा। किसी भी स्थिति में महिला यात्री से किराया नहीं वसूला जाएगा। मशीन खराब होने पर फोन से अनुमति लेकर मैनुअल शून्य मूल्य का टिकट दिया जाएगा। यह सुविधा निगम की अपनी और अनुबंधित दोनों प्रकार की साधारण बसों में लागू रहेगी।

भाजपा संगठन में कसावट की कवायद

बाह। मिशन 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा ने संगठन में कसावट की कवायद शुरू कर दी है। बुधवार को बाह देहात मंडल में जिला उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह राठौड ने बैठक में मंडल कार्यसमिति, शक्ति केंद्र संयोजकों और बूथ अध्यक्षों के सत्यापन के साथ संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत मजबूत संगठन और बूथ स्तर तक कार्यकताओं का नेटवर्क है। प्रत्येक पदाधिकारी को संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मंडल से लेकर बूथ स्तर तक पदाधिकारियों की सक्रियता की समीक्षा किए जाने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों से दूर रहने वाले निष्क्रिय पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों की समीक्षा की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उनकी जगह सक्रिय कार्यकताओं को संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे संगठन को और प्रभावी बनाया जा सके। इस दौरान मंडल अध्यक्ष रविन्द्र सिंह बघेल, मंडल प्रवासी संजय सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य महेश कठेरिया, महामंत्री श्यामवीर ठाकुर आदि मौजूद रहे।

कार की चपेट में आकर दो घायल

बाह। आगरा इटावा स्टेट हाइवे पर बाह के नरहोली गांव के मोड पर तेज रफ्तार ईको कार की टक्कर से पति एवं चाची के घायल होने पर महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रेमनगर राजपुर चुंगी आगरा की नेंसी देवी ने बाह थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी के मुताबिक 28 अगस्त को पति भगवान सिंह, रामनगर डौकी की रहने वाली चाची मनोज देवी के साथ रात 1 बजे नरहोली मोड पर अन्य लोगों के आने का इंतजार कर रही थी। फतेहाबाद की ओर से आई तेज रफ्तार ईको कार के चालक ने दूसरी दिशा में आकर टक्कर मार दी। जिससे पति एवं चाची घायल हो गये। 112 नंबर डायल किए जाने पर आई पुलिस ने स्थानीय सामुदायिक केन्द्र में घायलों को भर्ती कराया। जहां से एसएन मेडीकल कॉलेज आगरा भिजवाया। वह अस्पताल में भर्ती घायलों को छोड़ कर प्राथमिकी दर्ज कराने आई है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ईको कार एवं उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

परम पुरुष पूरन धनी के जन्म दिवस पर भंडारा कल

6 सितंबर तक रहेगा भंडारा सप्ताह, देश-विदेश की विभिन्न शाखाओं में होगा प्रसाद वितरण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

परम दयालु राधास्वामी दयाल की असीम मौज, दया, मेहर और करुणा से मानव-मात्र के उद्धार तथा निज घर प्रदान करने के लिए स्वयं नर-देह धारण कर धरा पर अवतरित होने की मौज फरमाने वाले वे दयाल, राधास्वामी मत के आद्य प्रवर्तक, संस्थापक एवं प्रथम संत सतगुरु परम पुरुष पूरन धनी हुजूर स्वामीजी महाराज का पावन भंडारा इस वर्ष शुक्रवार, 4 सितंबर को जन्माष्टमी के पवित्र अवसर पर उनके जन्मदिन पर दयालबाग में परम श्रद्धा, प्रेम, सेवा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

परम पुरुष पूरन धनी हुजूर स्वामीजी महाराज सतसंग समुदाय के लिए केवल एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक महापुरुष नहीं, अपितु परम आराध्य, परमपिता के साकार स्वरूप, गुरु-परंपरा के मूल स्रोत और जीवों को भवसागर से पार उतारने वाले परम पथ-प्रदर्शक हैं। उन्होंने जीवात्मा को उसके वास्तविक स्वरूप का बोध कराया और सुरत-शब्द-योग के माध्यम से परम धाम तक पहुंचने का सहज, व्यावहारिक एवं अनुभूतिजन्य मार्ग प्रकट किया। दयालबाग सतसंग की आध्यात्मिक मान्यता में परम पुरुष पूरन धनी हुजूर स्वामीजी महाराज को राधास्वामी दयाल का अवतार तथा सार्वजनिक राधास्वामी सतसंग का आद्य प्रवर्तक माना गया है।

दयालबाग में 2 से 6 सितंबर तक भंडारा सप्ताह मनाया जाएगा। पावन भंडारा 4 सितंबर को भारत और विदेशों की विभिन्न शाखाओं में भी परम श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, देश के पूर्वी राज्यों तथा यूरोप की अनुमत शाखाओं से सतसंगी भाई-बहनों और पंजीकृत जिज्ञासुओं का दयालबाग आगमन निर्धारित है। परम पुरुष पूरन धनी हुजूर स्वामीजी महाराज का अवतरण सांसारिक नाम सेठ शिवदयाल सिंह के रूप में जन्माष्टमी की पावन रात्रि, 24 और 25 अगस्त 1818 के मध्य, आगरा की पन्नी गली में हुआ। सतसंग साहित्य और परंपरा में उनके अवतरण को परम दयाल राधास्वामी दयाल की उस असीम दया का प्रकटीकरण माना जाता है, जिसके माध्यम से काल और माया के बंधनों में आबद्ध जीवों को अंतरमुखी आध्यात्मिक साधना और परम धाम की प्राप्ति का मार्ग पुन: सुलभ हुआ।

खण्ड शिक्षाधिकारी से मिले जिलाध्यक्ष

आगरा। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बलविंदर सिंह गिल ने बुधवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र के सुमित से मुलाकात की। इस दौरान नगर क्षेत्र के शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं एवं प्रकरणों के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। शिक्षकों की समस्याओं के जल्द शीघ्र समाधान एवं निस्तारण को लेकर सकारात्मक एवं सार्थक वार्ता हुई। उन्होंने कहा संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जायेगा।

पति-पत्नी ने की थी हयातुन निशा की हत्या

टीएनएफ टुडे, आगरा।

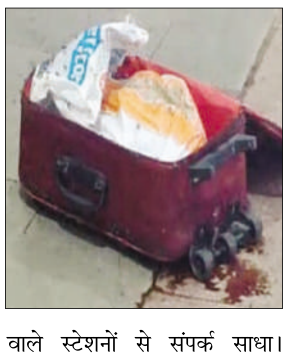

- 5 अगस्त को कैंट रेलवे स्टेशन पर तमिलनाडु एक्सप्रेस में ट्राली बैग से मिले शव का खुलासा
- आरोपी दंपत्ति को पुलिस ने मणिपुर से किया गिरफ्तार

कैंट रेलवे स्टेशन पर 5 अगस्त को तमिलनाडु एक्सप्रेस के जनरल कोच में मिले लाल रंग के ट्रॉली बैग के खौफनाक रहस्य से पर्दा उठ गया है। इस वीभत्स हत्याकांड में ओडिशा की रहने वाली 38 वर्षीय हयातुन निशा की हत्या के आरोप में 22 वर्षीय मणिकउद्दीन लश्कर और उसकी पत्नी भगवती मांझी को मणिपुर से गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मृतका मणिकउद्दीन की प्रेमिका थी और इस पूरी वारदात को आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर अंजाम दिया था। जिसके बाद शव को बैग में भरकर ट्रेन के जरिए आगरा भेज दिया गया था। 5 अगस्त को जब तमिलनाडु एक्सप्रेस आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंची, तब यात्रियों की नजर एक लाल रंग के ट्रॉली बैग पर पड़ी। यात्रियों ने सूचना रेलवे प्रशासन और जीआरपी को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और आरपीएफ ने बैग खोला तो अंदर पॉलीथिन में पैक किए गए महिला के शव के करीब 18 टुकड़े बरामद हुए। इसके बाद जीआरपी ने जांच शुरू की और ट्रेन के रूट में आने वाले स्टेशनों से संपर्क साधा। पुलिस की तकनीकी जांच में यह बात सामने आई कि वह ट्रॉली बैग चेन्नई रेलवे स्टेशन से तमिलनाडु एक्सप्रेस में रखा गया था। सुराग मिलने के बाद चेन्नई सेंट्रल स्टेशन के आसपास के करीब 350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को बारीकी से खंगाला गया। फुटेज में दोनों आरोपी संदिग्ध अवस्था में ट्रॉली बैग को ट्रेन के डिब्बे में रखते हुए साफ नजर आए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी चेन्नई से भागकर मणिपुर चले गए थे।

पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि मणिकउद्दीन अपनी पत्नी और प्रेमिका हयातुन निशा दोनों के साथ एक ही जगह पर रह रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच आपसी विवाद हुआ। जिसके बाद हयातुन निशा को रास्ते से हटाने के लिए इस खौफनाक साजिश की रूपरेखा तैयार की गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कटर की मदद से महिला के शव के छोटे-छोटे टुकड़े किए थे। हैवानियत की हदें पार करते हुए मृतका के हाथ, पैर और पसलियों के हिस्सों को सब्जी और आटे के साथ पकाया गया था ताकि साक्ष्यों को मिटाया जा सके। शरीर के अंगों को काटने और ठिकाने लगाने के बाद उन्हें पॉलीथिन में पैक करके ट्रॉली बैग में भरा गया और उसे ट्रेन के जरिए आगरा भेज दिया गया। आगरा कैंट जीआरपी द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद इस जटिल और अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने के लिए जांच चेन्नई पुलिस को ट्रांसफर की गई थी। जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को धर दबोचा।

क्राइम इंस्पेक्टर एत्मादपुर लाइन हाजिर

प्रदर्शनकारियों और इंस्पेक्टर के बीच हो गई थी हाथापाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एत्मादपुर में यूजीसी के नए नियमों के विरोध में मंगलवार को क्षत्रिय सभा और सिस्टम सुधार संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। इसमें क्राइम इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

घटना मंगलवार को सुबह तब हुई, जब यह दोनों संगठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इस विवाद के बीच संगठन के एक पदाधिकारी को पुलिस की लाठी से चोट लगने के बाद जमकर हंगामा हुआ और सड़क पर जाम लगा दिया गया। इस मामले में पुलिस के एक इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर कर दिया गया है। बताया जाता है कि एत्मादपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान संगठनों के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच विवाद हुआ। इसी बीच धक्का लगने से इंस्पेक्टर क्राइम जेपी तिवारी जमीन पर गिर गए। इसके बाद उन्होंने कार्यकताओं पर लाठी चलानी शुरू कर दी। इससे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अंशुमन ठाकुर को भी चोट लगी। इस पर कार्यकर्ता गुस्से से भर गए और उन्होंने इंस्पेक्टर को घेर लिया। हालात बिगड़ने पर प्रभारी निरीक्षक आलोक सिंह ने पुलिस कर्मियों की मदद से इंस्पेक्टर को एक अधिवक्ता के चेंबर में बंद कर दिया। आसपास के थानों से फोर्स बुलाई गई और तिवारी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना के बाद प्रदर्शनकारियों ने इंस्पेक्टर तिवारी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर हाईवे की दोनों लेन पर जाम लगा दिया। इससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब आधा घंटा बाद एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह के कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद प्रदर्शनकारी माने। करीब दो घंटे बाद एसडीएम सुमित सिंह को ज्ञापन सौंपने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। उधर, घटना का वीडियो सामने आने के बाद डीसीपी पश्चिमी जोन आदित्य सिंह ने इंस्पेक्टर क्राइम जेपी तिवारी को लाइन हाजिर कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

आगरा मंडल: टिकट चेकिंग से अगस्त में 2.14 करोड़ रु. की आय

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मण्डल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के दिशा-निर्देश एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के नेतृत्व में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक वीरेन्द्र सिंह तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग संजय गौतम द्वारा मंडल के प्रभारी मुख्य टिकट निरिक्षकों, टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ मंडल के सभी रेल खंडों/प्रमुख स्टेशनों पर माह अगस्त में एक मिशन के रूप में विभिन्न जांच अभियान (जैसे रनिंग ट्रेन चेक, स्पॉट चैक, किलेबंदी चैक, मजिस्ट्रेट चैक आदि) आयोजित किये गए। जिनके अंतर्गत आगरा मण्डल ने उक्त माह में 12365 बिना टिकट यात्रियों से रु०-66 .44 लाख, अनियमित यात्रा करने वाले 10899 यात्रियों से रु०-30.85 लाख रुपये एवं 20 बिना बुक सामान ले जाने वाले यात्रियों से 8345 रुपये रेल राजस्व अर्जित किया गया। इस प्रकार उक्त माह में 23284 यात्रियों से कुल 2.14 करोड़ का जुमार्ना वसूल किया गया' वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अगस्त तक टिकट चेकिंग के माध्यम से कुल ?13.90 करोड़ की आय अर्जित की गई है। पिछले वित्तीय वर्ष में इसी अवधि अर्थात अप्रैल से अगस्त 2025 के दौरान टिकट चेकिंग से ?12.40 करोड़ की आय प्राप्त हुई थी। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में ?1.50 करोड़ अधिक, अर्थात लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जन संपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के टिकट जांच अभियान मण्डल में निरंतर चलाये जायेंगे, जिससे मंडल के अंतर्गत अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों पर रोक लगाई जा सके।

सुभाष बाजार में ध्वस्तीकरण शुरू

आगरा। सुभाष बाजार में महावीर नाले पर बनी दुकानों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। बुधवार को नगर निगम की टीम ध्वस्तीकरण के लिए मौके पर पहुंच गई। सात दुकानों को गिराने के लिए मशीनरी भी मौके पर पहुंचाई जा रही है। दरअसल, 8 जुलाई को सुभाष बाजार में दुकान का स्लैब गिरने से एक महिला की मौत हो गई थी। हादसे के बाद नगर निगम की ओर से कराई गई जांच में महावीर नाले पर बनी दुकानों के स्लैब को कमजोर पाया गया था। इसके बाद नगर निगम ने संबंधित दुकानदारों को दुकानें खाली करने के नोटिस जारी किए थे। नगर निगम के नोटिस के बाद तीन दुकानदारों ने अपनी दुकानें खाली कर दीं। जबकि चार दुकानदारों ने दुकानें खाली करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। अब नगर निगम की टीम ने सात दुकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर ली है। मौके पर नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद हैं। कार्रवाई को देखते हुए क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है। दुकानों को गिराने के लिए मशीनरी पहुंचने के बाद ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

ट्रैफिक डायवर्जन के लिए दिया ज्ञापन

आगरा। नामनेर बाजार कमेटी (रजि) के अध्यक्ष ब्रजेश पंडित ने सोनम कुमार (डीसीपी ट्रैफिक) से आगामी नामनेर जन्माष्टमी महोत्सव के संदर्भ में भेंट की। उन्हें अवगत कराया कि 49वां नामनेर जन्माष्टमी महोत्सव आगामी 4,5,6 सितंबर को मनाया जाएगा। इसमें हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं का मेला क्षेत्र में आगमन होगा। ऐसे में समूचे मेला क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश वर्जित हो एवं एमजी रोड से आने वाले ट्रैफिक को जिला अस्पताल चौराहे से नामनेर की ओर न आने दिया जाय। सीधा प्रतापपुरा से निकाला जाय। ईदगाह से आने वाले ट्रैफिक को मोहनपुरा से निकला जाय। इस पर डीसीपी ट्रैफिक द्वारा समुचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। ब्रजेश पंडित ने बताया कि आगामी 4 एवं 5 सितंबर को समूचे नामनेर क्षेत्र में आकर्षक विद्युत सजावट, विभिन्न मंचों पर स्वचालित धार्मिक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। 5 सितंबर को सांयकाल में कन्हैय्या को डोले में नगर भ्रमण कराया जाएगा। 6 सितंबर को प्रातः कन्हैया की छटी पूजकर भंडारे का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं से उत्साहपूर्वक 16 कलाओं के अवतार योगिराज कृष्ण जन्म उत्सव में सहभागिता की अपील की है।

जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स 8 सितम्बर को

आगरा। खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश बास्केटबाल एसोसियेशन के तत्वावधान में 11 से 14 सितम्बर तक प्रदेश स्तरीय समन्वय सबजूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन आजमगढ़ में किया जा रहा हैं। उक्त बास्केटबाल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली आगरा मण्डल टीम का जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स 8 सितम्बर को सुबह 11 बजे से तथा मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स 9 सितम्बर को सुबह 11 बजे से एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम, आगरा पर किया जा रहा हैं। ट्रायल्स में भाग लेने की प्रविष्टि निःशुल्क है। सब जूनियर बालक बास्केटबाल चयन/ट्रायल्स में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी 8 एवं 9 सितम्बर को अपने जन्म तिथि के मूल प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड सहित एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम, आगरा पर मनीष कुमार वर्मा, बास्केटबाल प्रशिक्षक से सम्पर्क करें।

आगरा में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ किया गया। आगरा के एमजी रोड स्थित नगर निगम सदन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ के लोक भवन सभागार से किए गए शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आउटसोर्स कर्मियों ने देखा और सुना।

कार्यक्रम का शुभारंभ महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य, महापौर हेमलता दिवाकर, विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह, डॉ. जीएस धर्मेश, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह और नगरायुक्त संतोष कुमार वैश्य की मौजूदगी में दीप प्रज्वलित कर हुआ। इस दौरान पोर्टल एवं वेबसाइट की लॉन्चिंग के साथ निगम के लोगो का भी अनावरण किया गया। इसकी स्थापना का उद्देश्य प्रदेश में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों की नियुक्ति एवं सेवा व्यवस्था को पारदर्शी, व्यवस्थित और सुशासित बनाना है। नई व्यवस्था के तहत भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी तथा राज्य सरकार की आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। कर्मचारियों का वेतन सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जाने की व्यवस्था होगी और वेतन से अनावश्यक कटौती पर रोक रहेगी। कर्मचारियों को भविष्य निधि और स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा। नई व्यवस्था में आउटसोर्स कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। किसी कर्मचारी को मनमाने ढंग से सेवा से हटाने पर रोक होगी और ऐसी कार्रवाई से पहले सरकार को इसकी जानकारी देना आवश्यक होगा। भर्ती, पोस्टिंग, उपस्थिति, वेतन और अन्य सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग की जाएगी। कर्मचारी ऑनलाइन अपनी सर्विस डिटेल, वेतन और कटौती की जानकारी देख सकेंगे। साथ ही शिकायत दर्ज करने और उसके निस्तारण की स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। कर्मचारियों को दुर्घटना बीमा सहित विभिन्न वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। आकस्मिक परिस्थितियों में चिकित्सा, अग्निकांड, एयर एंबुलेंस, शिक्षा और विवाह आदि के लिए निर्धारित आर्थिक सहायता का प्रावधान भी किया गया है। कर्मचारियों को जीरो बैलेंस बैंक खाता उपलब्ध कराने के साथ उनके परिवार के सदस्यों को भी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने की व्यवस्था की गई है। नगर निगम सदन सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के हरीपर्वत, लोहामंडी और ताजगंज जोन के पांच-पांच लाभार्थियों सहित श्रम विभाग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के कुल 30 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित किया गया। कन्या विवाह सहायता योजना के लाभार्थी कपूर चंद, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के आकाश और अंकित तथा निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के लाभार्थी मीरा और बाल्टी सिंह को चेक वितरित किए गए। इसके अलावा स्वच्छता कार्मिकों को किट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सहायक श्रमायुक्त शगुन ने कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। अपर नगरायुक्त शिशिर कुमार, सहायक श्रमायुक्त शगुन, सहायक नगरायुक्त अशोक गौतम सहित नगर निगम के पार्षदगण, संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी मौजूद रहे। नई डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद भर्ती से लेकर वेतन, उपस्थिति और सामाजिक सुरक्षा लाभ तक की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और निगरानी योग्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

इशिता का सिंगापुर में पीएचडी के लिए चयन

आगरा। होनहार बेटी इशिता अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के बल पर आगरा का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। खंदारी निवासी इशिता का चयन सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, सिंगापुर के प्रतिष्ठित पीएचडी प्रोग्राम के लिए हुआ है।

इशिता के पिता आनंद कुमार अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल सिकंदरा की पूर्व छात्रा इशिता ने वर्ष 2019झ2021 बैच में कक्षा 11वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए सिंगापुर का रुख किया और सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी से मास्टर डिग्री हासिल की। विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी के लिए उन्हें पूरी छात्रवृत्ति दी जाएगी। शोध अवधि के दौरान उन्हें पूर्ण छात्रवृत्ति के साथ 3,600 सिंगापुर डॉलर प्रति माह का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा। इशिता की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रोत्साहन को दिया है।

'नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें'

'आत्मनिर्भर यूपी' की दिशा में युवाओं ने पेश किए स्टार्टअप आइडिया

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- सेंट जॉन्स कॉलेज में 1000 छात्रों ने लिया भाग, मिला मार्गदर्शन
- 15 सितंबर को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में होगा अगला कार्यक्रम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर यूपी विजन को धरातल पर उतारने के लिए एमजी रोड स्थित सेंट जॉन्स कॉलेज में 'यूपी राइज' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए करीब 1000 से अधिक छात्र- छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला न बनाकर, उन्हें स्वयं का उद्यम स्थापित कर दूसरों को रोजगार देने वाला 'जॉब क्रिएटर' बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को राज्य सरकार की विभिन्न रोजगारपरक नीतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर विशेष जोर दिया और बताया कि आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता व सब्सिडी कैसे प्राप्त की जा सकती है। छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए हर्षित देसाई, राहुल सारंगी और साईराज धोंड मेंटर के रूप में शामिल हुए। मेंटर हर्षित देसाई, जो वर्तमान में स्ट्रैटिविटी (एशिया और मिडिल ईस्ट) में मैनेजिंग पार्टनर हैं और पूर्व में आदित्य बिड़ला फाइनेंस व केपीएमजी में शीर्ष पदों पर रह चुके हैं, ने अपने 23 वर्षों के अनुभव से छात्रों को इनोवेशन और स्केलेबल कंज्यूमर इंटरनेट प्रोडक्ट्स बनाने के गुर सिखाए।

टॉप-10 इनोवेटिव आइडियाज ने खींचा ध्यान

इस आयोजन में कुल 35 स्टार्टअप आइडिया आए, जिनमें से 10 बेहतरीन आइडिया को शॉर्टलिस्ट किया गया। इनमें साइकिल सॉइल (ऑर्गेनिक कॉटन, बांस और खेती के कचरे से बने बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड), द मंडला स्टूडियो (हाथ से बने मंडला आर्ट प्रोडक्ट), बायो फ्रेश (क्यूआर कोड ट्रैकिंग वाला स्मार्ट डेयरी पैकेजिंग सिस्टम), आटेर्रा (कस्टमाइजेबल टैटू और फेस पेंटिंग सर्विस), बायोकोट (बीजों को बचाने वाली बायोडिग्रेडेबल स्लीव), वेस्ट टू वेल्थ (पेठा-इंडस्ट्री के वेस्ट वाटर और चावल के भूसे से बायोएथेनॉल निर्माण), पीयर पॉड्स (एआई-पावर्ड स्टडी पार्टनर प्लेटफॉर्म), प्रोटियोस्कोप (बायोटेक के लिए प्रोटीन सीक्वेंस एनालिसिस व 3ऊ स्ट्रक्चर प्रेडिक्शन) और प्रोजेक्ट अन्विता (एनईपी आधारित इंटर्नशिप प्लेटफॉर्म) जैसे शानदार आइडिया शामिल रहे।

विजेताओं को मिली प्रोत्साहन राशि

जूरी और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के सामने अपनी प्रेजेंटेशन देने के बाद महिलाओं के नेतृत्व वाले 'क्रोशे एंटरप्राइज' ने प्रथम स्थान हासिल कर 25,000 रुपये का मुख्य पुरस्कार जीता। यह स्टार्टअप पारंपरिक क्रोशिया कौशल को आधुनिक उत्पादों जैसे बैग, फोन कवर, की-चेन, क्रॉप टॉप और हेयर एक्सेसरीज में बदल रहा है। वहीं 'साइकिल सॉइल' और 'आटेर्रा' की टीमों को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ, जिन्हें 15,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।

आगरा में 'ड्रैगन हाउस कैफे' पर छापा

- भारी पुलिस फोर्स ने फतेहाबाद रोड स्थित कैफे को घेरकर चलाया सर्च अभियान
- अवैध हुक्का बार की शिकायत पर की गई कार्रवाई
- अंदर और आसपास के पूरे परिसर की हुई गहन तलाशी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजगंज क्षेत्र के फतेहाबाद रोड स्थित ड्रैगन हाउस कैफे में बुधवार को पुलिस की अचानक कार्रवाई से हड़कंप मच गया। अवैध हुक्का बार संचालित होने और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और कैफे को घेरकर व्यापक सर्च अभियान चलाया। अचानक बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के पहुंचने से कैफे और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस टीम ने कैफे के अंदर मौजूद विभिन्न हिस्सों की बारीकी से जांच की। इसके साथ ही कैफे परिसर और आसपास के क्षेत्र को भी खंगाला गया।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस को कैफे में अवैध रूप से हुक्का बार संचालित किए जाने की शिकायत मिली थी। इसके अलावा कुछ संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतों को भी पुलिस गंभीरता से जांच रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने मौके से जरूरी जानकारी जुटाई और परिसर की गहन तलाशी ली। पुलिस अधिकारी मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल में जुटे हुए हैं। सर्च अभियान के दौरान मिलने वाले साक्ष्यों और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस कैफे की गतिविधियों और शिकायतों की सत्यता की जांच कर रही है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

भविष्य की राह और सरकार की जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के इतिहास में बुधवार का दिन एक ऐतिहासिक और युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज हो गया है। प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा राज्य के बॉन्डेड डॉक्टरों को समान वेतनमान लागू करने की घोषणा केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह प्रांतीय स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले युवा चिकित्सकों के श्रम, समर्पण और उनके मौलिक अधिकारों का एक बड़ा सम्मान है। अटल चौक पर अपनी न्यायसंगत मांगों को लेकर एकत्रित हुए सैकड़ों बॉन्डेड डॉक्टरों के आंदोलन को जिस संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता के साथ सरकार ने संभाला है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद और समाधान की एक अनुकरणीय मिसाल है। डिप्टी सीएम के इस ठोस आश्वासन के बाद युवा चिकित्सकों के मुरझाए चेहरों पर लौटी मुस्कान इस बात का जीवंत प्रमाण है कि जब सरकारें जनभावनाओं और न्याय के प्रति संवेदनशील होती हैं, तो गतिरोध स्वतः समाप्त हो जाते हैं। समान कार्य के लिए समान वेतन' का सिद्धांत हमारे संविधान की आत्मा है। उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का यह कहना कि ₹गुरुवार तक इसका शासनादेश (जीओ) जारी कर दिया जाएगा₹, सरकार की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शार्ता है। इस निर्णय से राज्य के हजारों युवा डॉक्टरों को सीधा आर्थिक और मानसिक संबल मिलेगा। जब एक डॉक्टर वित्तीय चिंताओं से मुक्त होता है, तभी वह पूरी एकाग्रता और सेवा भाव से मरीज का इलाज कर पाता है। इसलिए, इस समान वेतनमान को केवल वित्तीय आवंटन के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के एक बड़े निवेश के रूप में समझा जाना चाहिए। हम सरकार के इस कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं, लेकिन साथ ही यह भी रेखांकित करना जरूरी है कि गुरुवार को जारी होने वाले शासनादेश का क्रियान्वयन बिना किसी लालफीताशाही के, समयबद्ध तरीके से हो। प्रशासनिक अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस निर्णय का लाभ राज्य के अंतिम कोने में बैठे बॉन्डेड डॉक्टर तक तुरंत पहुंचे। दूसरी ओर, इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद अब डॉक्टरों की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है। सरकार ने उनके अधिकारों का सम्मान किया है, अब डॉक्टरों को अपने कर्तव्यों का परिचय देते हुए चिकित्सा के पेशे की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाना होगा। अटल चौक से डॉक्टरों के चेहरे पर जो मुस्कान तैरती हुई विदा हुई है, वह मुस्कान अब उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की ओपीडी और वार्डों में इलाज कराने आने वाले हर गरीब और बेबस मरीज के चेहरे पर दिखनी चाहिए। यही इस ऐतिहासिक फैसले की वास्तविक सार्थकता और सफलता होगी। और अंत में अटल चौक पर जुटे डॉक्टरों का हुजूम किसी टकराव के लिए नहीं, बल्कि अपने अधिकारों की शांतिपूर्ण गुहार लगाने के लिए आया था। अमूमन देखा जाता है कि डॉक्टरों के आंदोलन हफ्तों खिंचते हैं, जिससे गरीब मरीज त्राहि-त्राहि कर उठते हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाती है। लेकिन यहाँ उप-मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता की नई मिसाल पेश की। उन्होंने डॉक्टरों को सड़क पर छोड़ने या पुलिसिया कार्रवाई का सहारा लेने के बजाय, उनसे सीधा संवाद स्थापित किया।

अंधेरे को उजाला बताने के उल्टे दिन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उत्तराखंड में दलित होने के कारण जो भेदभाव हुआ, उस पर 29 अगस्त को राहुल गांधी ने आवाज उठाई और बताया कि छुआछूत कानूनन अपराध है, ऐसा करने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज हो, तो 30 अगस्त को राहुल गांधी के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करवा दी गई। कहा गया कि उन्होंने दलितों की भावना का अपमान किया है। मोदी सरकार में किस तरह विनाश को विकास, तकलीफों भरे दिन को अच्छे दिन, तानाशाही प्रवृत्ति को लोकतांत्रिक पहचान यानी अंधेरे को उजाला कहा जा रहा है, यह उसी का एक उदाहरण है। दिसम्बर 2024, संसद के शीतकालीन सत्र में जब गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर बोलना फैशन हो गया है इतना नाम भगवान का लेते तो स्वर्ग मिल जाता।ङ्क तब इस बयान के बाद ही देश को समझ जाना चाहिए था कि भाजपा के मन में संविधान के लिए कोई सम्मान नहीं है और दलितों को वह बराबर मानती है। वेदों से लेकर मनुस्मृति तक हिंदू समाज के लिए निर्धारित वर्णव्यवस्था पर ही भाजपा का यकीन है। हल्द्वानी में यही नजर आया। आठ अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस रामलीला मैदान के मंच से सार्वजनिक सभा की थी, उसका शुद्धिकरण 11 अगस्त को किया गया था। कुछ लोगों ने हवन-यज्ञ और 'शुद्धिकरणङ्क कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में गंगाजल का छिड़काव भी किया गया। कांग्रेस ने इसे खड़गे की दलित पहचान से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस की कथित मानसिकता पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा की ओर से कहा गया कि रैली के बाद मैदान में गंदगी थी और धार्मिक स्थल पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे, इसलिए वहां धार्मिक अनुष्ठान किया गया। आपत्तिजनक नारों को समुदाय विशेष से जोड़ा गया। जबकि 13 अगस्त को खुद श्री खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाया था। तब उन्होंने कहा था कि उन्हें आज तक किसी के संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन हल्द्वानी की घटना ने उन्हें अस्पृश्यता का अहसास कराया है। खड़गे ने कहा था कि रैली में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और उन्होंने अपने भाषण में किसी जाति या धर्म का नाम नहीं लिया था। इसके बावजूद उनके जाने के बाद मंच पर हवन किया गया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा इस तरह की किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती और इस घटना की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसी घटना हुई है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। फिलहाल देश को आज की तारीख तक पता नहीं है कि इस मुद्दे पर भाजपा ने कोई जांच कराई या नहीं। उत्तराखंड और केंद्र दोनों जगह भाजपा की ही सरकारें हैं, केन्द्रीय मंत्री या भाजपा अध्यक्ष चाहते तो कुछ मिनटों में सारी जांच-पड़ताल शुरू हो जाती, लेकिन 29 अगस्त तक भी खड़गेजी के साथ हुए भेदभाव पर कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई, तो फिर कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें उन्होंने न केवल मल्लिकार्जुन खड़गे बल्कि टीकाराम जूली और जीतनराम मांझी जैसे नेताओं के साथ घटी घटनाओं का भी जिक्र किया, जिसमें उनके मंदिर जाने के बाद शुद्धिकरण किया गया था।

कोविड का रहस्य सुलझाने के लिए यूएन कराए निष्पक्ष जांच

बृज खंडेलवाल द्वारा

"लाखों लोगों के लिए कोविड बुखार उतरने के साथ खत्म नहीं हुआ। थकान, सांस फूलना, ब्रेन फॉग, नसों की परेशानी ; आज इसे लॉन्ग कोविड कहा जाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली में बदलाव, लगातार सूजन, ऑटोइम्यून प्रतिक्रिया और शरीर में वायरस के अवशेष रहने जैसी कई परिकल्पनाएं जांची जा रही हैं, पर एक भी सार्वभौमिक व्याख्या, आसान जांच या जादुई इलाज नहीं मिला। लाखों के लिए यह रहस्य आज भी निजी त्रासदी है।

मार्च 2020 की वह काली रात याद है? सन्नाटा चीरती एंबुलेंस की चीखें। वीरान सड़कें, बंद हवाई अड्डे, ताले लगे स्कूल, अस्पतालों के बाहर मौत का इंतजार करती कतारें। एक खांसी डर बन जाती थी, एक छींक आफत। लोग अपने ही घरों में कैद थे, परिवार दूर, डॉक्टर-नर्सें टूटते जा रहे थे। कई लोग अपनों को आखिरी बार छू भी नहीं सके।

दुनिया उस बुरे सपने से बाहर तो निकल आई, लेकिन उसके सवाल अब भी जागते हैं।

वायरस आया कहां से? प्रकृति से, या इंसान और वन्यजीवों के बढ़ते टकराव से? यह वायरस के प्राकृतिक विकास की घटना थी, या इसमें किसी प्रयोगशाला की भी भूमिका रही? छह साल बाद भी इनका पूरा जवाब हमारे पास नहीं है।

मास्क गायब हो चुके हैं, हवाई अड्डे फिर भीड़ से भरे हैं, बच्चे स्कूल लौट आए हैं , मगर सामान्य जीवन का लौटना सवालों का अंत नहीं है। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र को कोविड-19 की उत्पत्ति और महामारी से निपटने के तरीके की एक स्वतंत्र, निष्पक्ष, अंतरराष्ट्रीय जांच का समर्थन करना चाहिए। यह किसी को दोषी ठहराने की मांग नहीं, सच जानने की मांग है।

SARS-CoV-2 अचानक सामने आया और पूरी दुनिया में फैल गया। प्राकृतिक उत्पत्ति की संभावना आज भी गंभीरता से मौजूद है, और प्रयोगशाला दुर्घटना की बहस भी खत्म नहीं हुई , लेकिन किसी एक को निर्णायक रूप से साबित करने वाला पूरा प्रमाण अब तक सामने नहीं आया। यह फर्क समझना जरूरी है: प्रयोगशाला की संभावना का मतलब जानबूझकर वायरस फैलाना नहीं, और रहस्य बने रहना अपने आप में साजिश का सबूत नहीं। पर इतनी बड़ी ऐतिहासिक त्रासदी के साथ अनिश्चितता को हमेशा के लिए स्वीकार भी नहीं किया जा सकता। शुरूआती आंकड़ों, नमूनों और रिकॉर्ड तक पहुंच पर सवाल उठते रहे हैं। कोई निश्चित मध्यवर्ती पशु मेजबान भी आज तक नहीं मिला। दुनिया को अटकलें नहीं, सबूत चाहिए।

किसी के लिए यह कुछ दिनों की खांसी थी, किसी दूसरे के लिए मौत। कुछ स्वस्थ लोग अचानक गंभीर हालत में पहुंचे, तो कुछ संक्रमित परिवार के साथ रहकर भी बचे रहे – इन्हें अनौपचारिक रूप से "सुपरडॉजर" कहा गया। उम्र, जेनेटिक्स और प्रतिरक्षा इस अंतर की काफी हद तक व्याख्या करते हैं, फिर भी विज्ञान अब तक इस पहेली के सारे टुकड़े नहीं जोड़ पाया , एक ही वायरस किसी में हल्का तूफान क्यों बनता है और किसी दूसरे में तबाही?

लाखों लोगों के लिए कोविड बुखार उतरने के साथ खत्म नहीं हुआ। थकान, सांस फूलना, ब्रेन फॉग, नसों की परेशानी ; आज इसे लॉन्ग कोविड कहा जाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली में बदलाव, लगातार सूजन, ऑटोइम्यून प्रतिक्रिया और शरीर में वायरस के अवशेष रहने जैसी कई परिकल्पनाएं जांची जा रही हैं, पर एक भी सार्वभौमिक व्याख्या, आसान जांच या जादुई इलाज नहीं मिला। लाखों के लिए यह रहस्य आज भी निजी त्रासदी है।

आधिकारिक आंकड़े ही भयावह हैं, पर असली कीमत कहीं ज्यादा हो सकती है। अतिरिक्त मृत्यु दर के अध्ययन बताते हैं कि प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मौतें दर्ज संख्या से काफी अधिक रही होंगी। कुछ अस्पताल न मिलने से मरे, कुछ ऑक्सीजन के अभाव में, कुछ का टला कैंसर इलाज या ऑपरेशन जानलेवा साबित हुआ, कुछ बुजुर्ग बिल्कुल अकेले चले गए। और आंकड़ों से बाहर भी एक विशाल नुकसान हुआ ; पढ़ाई रुकी, रोजगार गए, अकेलापन और मानसिक आघात बढ़ा। महामारी की पूरी कीमत शायद अब तक गिनी ही नहीं गई।

आंकड़े उस दर्द को नहीं बताते जो अस्पतालों के भीतर था। मरीज परिवार का हाथ थामे बिना मर रहे थे, रिश्तेदार मोबाइल स्क्रीन पर आखिरी बार अपनों को देख रहे थे, डॉक्टर-नर्स लगातार काम करते हुए इस डर में जी रहे थे कि संक्रमण उनके घर न पहुंच जाए। जो बचकर लौटे, उनमें से कई तुरंत सामान्य जीवन में नहीं लौट पाए , कमजोरी, डर और सामने हुई मौतों की यादें आज भी उनका पीछा करती हैं। कोविड सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं था; यह डर, अकेलेपन, शोक और इंसानी सहनशक्ति की वैश्विक परीक्षा थी।

इंसान दशकों से जंगल काट रहा है, वन्यजीवों के करीब बढ़ रहा है, शहर लगातार फैला रहा है , इंसान और दूसरे जीवों के बीच दूरी घट रही है। ऐसे में नई संक्रामक बीमारियों का खतरा काल्पनिक नहीं है। हो सकता है कोविड इस बढ़ते असंतुलन की चेतावनी हो, या वायरस के प्राकृतिक विकास की घटना हो, या मानव गतिविधियों ने किसी प्राकृतिक जोखिम को वैश्विक आपदा में बदलने में भूमिका निभाई हो। सच जो भी हो, हमें पूरी तरह मालूम नहीं , और यही वजह है कि जांच जरूरी है।

दुनिया कोविड को भूलना चाहती है, यह स्वाभाविक है। पर इतिहास को भूलना अगली त्रासदी को न्योता देना है। हमें उत्पत्ति पर पारदर्शिता चाहिए, बेहतर महामारी निगरानी चाहिए, मजबूत जैव-सुरक्षा चाहिए, लॉन्ग कोविड पर गंभीर शोध चाहिए, और यह जांचने की जरूरत है कि कुछ देशों की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं संकट में इतनी जल्दी क्यों चरमरा गईं। यह जांच किसी सरकार, संस्था या विचारधारा के नियंत्रण में नहीं होनी चाहिए , स्वतंत्र, निष्पक्ष, अंतरराष्ट्रीय और सबूतों पर आधारित होनी चाहिए। यह किसी पसंदीदा सिद्धांत को सही ठहराने या साजिश की कहानियां फैलाने की कवायद नहीं, तथ्यों की तलाश है।

विज्ञान तब कमजोर नहीं होता जब वह कहता है "हमें नहीं पता" , वह तब मजबूत होता है जब कहता है "आइए, पता लगाते हैं।"

एक अदृश्य सूक्ष्म जीव ने अर्थव्यवस्थाएं रोक दीं, शहर खाली कर दिए, परिवार बांट दिए, और उस सभ्यता के अहंकार को चोट पहुंचाई जो मानती थी कि उसने प्रकृति को काबू में कर लिया है। सच जो भी हो, उसे जानना जरूरी है , क्योंकि अगली महामारी शायद हमें छह साल का समय न दे।

छह साल बाद दुनिया आगे बढ़ चुकी है, पर कोविड के सवाल अब भी जिंदा हैं। उन्हें दफनाने के बजाय, अब समय है उनका सामना करने का। संयुक्त राष्ट्र निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच का रास्ता खोले। इतिहास को जवाब चाहिए, भविष्य को सबक।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: नीति वही, लेकिन जमीन क्यों अलग?

प्रो. स्वामी ध्यान प्रेम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत की शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का एक ऐतिहासिक प्रयास माना गया। इसके केंद्र में शिक्षा को रटने और परीक्षा की सीमाओं से निकालकर ज्ञान, कौशल, सृजनशीलता, भारतीय ज्ञान परंपरा, बहुविषयक अध्ययन और व्यक्तित्व निर्माण से जोड़ने का संकल्प है। यह दृष्टि निस्संदेह स्वागतयोग्य है। प्रश्न नीति की मंशा पर नहीं, उसके क्रियान्वयन की समानता पर है। वर्ष 2026 में जब हम इसके प्रभावों का आकलन कर रहे हैं, तब सबसे असुविधाजनक प्रश्न यही है—क्या भारत की असमान शैक्षिक जमीन पर एक जैसी शिक्षा-व्यवस्था वास्तव में न्यायपूर्ण हो सकती है?

भारत में उच्च शिक्षा का चेहरा एक जैसा नहीं है। एक तरफ ऐसे आवासीय और संसाधन-संपन्न संस्थान हैं जहां पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं, विशाल पुस्तकालय, छात्रावास, तकनीकी सुविधाएं और अनेक विषयों का विकल्प उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध हजारों सामान्य महाविद्यालय हैं, जो कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की रीढ़ बने हुए हैं। यहां पढ़ने वाला विद्यार्थी प्रायः ऐसे परिवार से आता है जहां उच्च शिक्षा अभी भी उपलब्धि नहीं, संघर्ष है। उसके सामने आर्थिक सीमाएं हैं, आवागमन की समस्या है, सीमित तकनीकी संसाधन हैं और कई बार पहली पीढ़ी के विद्यार्थी होने की चुनौती भी है। ऐसे में एक गंभीर सवाल उठता है—क्या महानगर के संसाधन-संपन्न संस्थान और गांव के सीमित साधनों वाले महाविद्यालय के लिए एक ही शैक्षिक मॉडल न्यायसंगत हो सकता है?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का बहुविषयक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, लेकिन बहुविषयकता को पारंपरिक विषयों के विस्थापन का पर्याय बना देना गंभीर भूल होगी। आज भी देश के लाखों विद्यार्थी इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और वाणिज्य जैसे विषयों के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ये विषय पुराने अवशेष नहीं, बल्कि ज्ञान-व्यवस्था की आधारशिलाएं हैं। प्रश्न यह नहीं कि कला, विज्ञान और वाणिज्य के पारंपरिक विषयों को हटाया जाए या नहीं। प्रश्न यह है कि इन विषयों को समय की नई आवश्यकताओं से कैसे जोड़ा जाए। इतिहास के विद्यार्थी को आंकड़ा विश्लेषण और अभिलेखीय तकनीक का ज्ञान मिल सकता है, विज्ञान के विद्यार्थी को उद्यमिता और संचार-कौशल सिखाया जा सकता है तथा वाणिज्य के विद्यार्थी को तकनीकी और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा जा सकता है। सुधार का अर्थ पुराने को मिटाना नहीं, बल्कि पुराने की शक्ति में नए का समावेश करना है।

सबसे बड़ी चिंता ग्रामीण विद्यार्थी को लेकर है। शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर की बात करना आसान है, लेकिन समान अवसर के लिए समान परिस्थितियां भी तो चाहिए। जिस विद्यार्थी के पास घर में कंप्यूटर नहीं, स्थिर इंटरनेट नहीं, निजी परिवहन नहीं और महंगे निजी शिक्षण संस्थानों तक पहुंच नहीं, उसके सामने केवल पाठ्यक्रम बदल देना पर्याप्त सुधार नहीं है। यदि नई व्यवस्था में विकल्प बढ़ते जाएं, लेकिन उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षक न हों, प्रयोगशालाएं न हों, पुस्तकालय न हों और मार्गदर्शन की व्यवस्था न हो, तो नीति कागज पर आधुनिक और जमीन पर असमान ही रहेगी। यहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सबसे बड़ी परीक्षा है। नीति का मूल्यांकन संस्थानों की घोषणाओं से नहीं, अंतिम पंक्ति के विद्यार्थी के अनुभव से होना चाहिए।

क्या ग्रामीण विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा मिली? क्या उसके लिए रोजगार के अवसर बढ़े? क्या उसकी मातृभाषा में उच्च गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री उपलब्ध हुई? क्या उसके महाविद्यालय में पर्याप्त शिक्षक हैं? क्या उसे विषयों के चुनाव और नई शैक्षिक व्यवस्थाओं की जानकारी देने वाला मार्गदर्शक उपलब्ध है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक है तो हमें उत्सव मनाने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए।

संबद्ध महाविद्यालयों की स्थिति भी गंभीर विचार की मांग करती है। सभी महाविद्यालयों को एक ही गति से स्वायत्तता की ओर धकेलना व्यावहारिक नहीं हो सकता। जिन संस्थानों के पास पर्याप्त संसाधन, शिक्षक, आधारभूत संरचना और शैक्षणिक क्षमता है, उन्हें क्रमशः अधिक स्वायत्तता दी जा सकती है। लेकिन ग्रामीण और सीमित संसाधनों वाले महाविद्यालयों को पहले मजबूत करना आवश्यक है। स्वायत्तता अधिकार देने से पहले क्षमता निर्माण की मांग करती है।

वास्तविक सुधार का रास्ता यह हो सकता है कि ग्रामीण महाविद्यालयों के लिए विशेष शैक्षिक सहायता योजना बनाई जाए। अतिरिक्त शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय, छात्रावास, परिवहन, छात्रवृत्ति, रोजगार मार्गदर्शन और तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़े विषय—कृषि, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण उद्यमिता, दुग्ध व्यवसाय, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संसाधन प्रबंधन—पारंपरिक स्नातक शिक्षा के साथ जोड़े जाएं। इससे शिक्षा केवल उपाधि देने की प्रक्रिया न रहकर स्थानीय विकास की शक्ति बन सकती है। भारतीय भाषाओं का प्रश्न भी इसी विमर्श का हिस्सा है। यदि उच्च शिक्षा को वास्तव में जनसुलभ बनाना है तो ज्ञान का विशाल संसार केवल अंग्रेजी तक सीमित नहीं रह सकता। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता की पुस्तकें, अध्ययन सामग्री और तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराना होगा। विद्यार्थी की भाषा उसकी कमजोरी नहीं, उसकी ज्ञान-यात्रा का पहला आधार है।

इसी प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा को भी केवल औपचारिक पाठ्यक्रम का एक अध्याय बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय चिंतन, दर्शन, गणित, चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण और समाज-दृष्टि को आधुनिक विज्ञान, तर्क और अनुसंधान के साथ संवाद में लाना होगा। तभी भारतीयता शिक्षा की आत्मा बनेगी, केवल पाठ्यक्रम की सजावट नहीं।

और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न—शिक्षक कहां है? नई शिक्षा व्यवस्था की सफलता का भार अंततः शिक्षक के कंधों पर ही आएगा। यदि शिक्षक संख्या पर्याप्त नहीं है, प्रशिक्षण अपर्याप्त है और एक शिक्षक से अनेक नए विषय पढ़ाने की अपेक्षा की जा रही है, तो बहुविषयक शिक्षा केवल प्रशासनिक शब्दावली बनकर रह जाएगी। शिक्षा में परिवर्तन का पहला निवेश भवन नहीं, शिक्षक है; पहला संसाधन उपकरण नहीं, योग्य मार्गदर्शक है।

इसलिए आज आवश्यकता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अस्वीकार करने की नहीं, बल्कि उसकी जमीनी समीक्षा करने की है। भारत जैसे विविध देश में ह्लएक नीति, एक ढांचा और एक गतिह्व की जगह ह्लएक नीति, अनेक क्रियान्वयन मॉडलह्व अधिक उपयुक्त हो सकता है। आवासीय संस्थानों के लिए अलग रणनीति, संसाधन-संपन्न महाविद्यालयों के लिए अलग व्यवस्था और ग्रामीण तथा सीमित संसाधन वाले महाविद्यालयों के लिए विशेष सहायता-आधारित मॉडल विकसित करना होगा।

शिक्षा में समानता का अर्थ सबको एक जैसा देना नहीं है। समानता का अर्थ है—जिसे जहां जितनी आवश्यकता है, उसे वहां उतना अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना। यदि एक ग्रामीण महाविद्यालय और एक अत्याधुनिक आवासीय संस्थान को समान कसौटी पर रख दिया जाए, तो यह समानता नहीं, असमानता को संस्थागत रूप देना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य केवल रोजगार योग्य युवा तैयार करना नहीं होना चाहिए। उसे विवेकशील, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और उत्तरदायी नागरिक भी तैयार करने होंगे। ज्ञान और कौशल के साथ चरित्र, तकनीक के साथ मानवीयता, आधुनिकता के साथ भारतीयता और रोजगार के साथ जीवन-मूल्यों का संतुलन आवश्यक है। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति कितनी आधुनिक है। प्रश्न यह है कि क्या वह भारत के सबसे दूर बैठे विद्यार्थी तक आधुनिक शिक्षा की रोशनी पहुंचा पा रही है?

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 4 सितंबर 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल आध्यात्मिक प्रभाव और भाग्य का संबल बहुत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन आद्यशक्ति मां लक्ष्मी तथा वैभव के कारक शुक्र देव की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है। आज के दिन श्वेत पुष्प मिश्री तथा खीर अर्पित कर श्री सूक्त का पाठ करने से जीवन में असीम ऐश्वर्य भौतिक सुख समृद्धि और संपत्ति में स्थायी वृद्धि प्राप्त होती है।

मेष

आज आपके आत्मविश्वास में अप्रत्याशित वृद्धि होगी जिसके बल पर आप कठिन से कठिन व्यावसायिक कार्य को भी सुगमता से पूर्ण कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा और आय के नए स्रोत विकसित होंगे। मां लक्ष्मी को मखाने की खीर अर्पित करें जिससे आपके सभी वित्तीय मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष

आज आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखने की विशेष आवश्यकता है अन्यथा बनते हुए काम अंतिम समय में बिगड़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और निवेश से जुड़े किसी भी दस्तावेज को भली भांति पढ़कर ही हस्ताक्षर करें। किसी छोटी कन्या को मीठी वस्तु भेंट करें जिससे आपके सभी कष्ट दूर होंगे।

मिथुन

आज कला साहित्य और मीडिया क्षेत्र से जुड़े जातकों को विशेष ख्याति प्राप्त होगी और नए संपर्क से व्यापार में बड़ा लाभ होगा। मित्रों के साथ कहीं सुखद यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है जो मन को प्रसन्नता और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर विस्तार होगा।

कर्क

आज आपके पारिवारिक वातावरण में अपार सौहार्द और खुशहाली बनी रहेगी जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य आज अचानक पूरा होने से बड़ा आर्थिक लाभ संभव है। किसी जरूरतमंद महिला को वस्त्र दान करें जिससे घर में सुख और समृद्धि का वास होगा।

सिंह

आज आपको कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि वे आपकी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और दिनचर्या में योग तथा ध्यान को अवश्य शामिल करें। मंदिर में सफेद चंदन का दान करें जिससे आपका मानसिक तनाव पूर्णतः समाप्त होगा।

कन्या

आज व्यापारिक दृष्टिकोण से दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है और नए व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होने के प्रबल योग निर्मित हो रहे हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा में मनोवांछित सफलता मिलेगी जिससे परिवार का नाम रोशन होगा। श्री सूक्त का पाठ करें जिससे आपके जीवन में धन और वैभव की प्राप्ति होगी।

तुला

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है परंतु संध्या काल तक उसका बहुत सुखद परिणाम भी प्राप्त हो जाएगा। वाहन चलाते समय पूर्ण सावधानी बरतें और अनचाही यात्राओं से परहेज करें। किसी निर्धन व्यक्ति को अन्न का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम और निर्णय लेने की क्षमता चरम पर रहेगी जिससे व्यापार में पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान निकलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी और किसी सुखद योजना पर सहमति बनेगी। मां लक्ष्मी के समक्ष कपूर का दीपक जलाएं जिससे आपकी सभी बाधाएं समाप्त होंगी।

धनु

आज धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रिय भागीदारी रहेगी जिससे समाज में आपका सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक सुदृढ़ होगी और पुराने दिए गए कर्ज की वसूली संभव होगी। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और विवेक में वृद्धि होगी।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों के स्थानांतरण या पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रफुल्लित रहेगा। संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद आपसी सहमति से सुलझ जाएंगे। पक्षियों को बाजरा डालें जिससे आपके व्यापार और करियर में आने वाली रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ

आज किसी व्यावसायिक साझेदार के साथ अनबन होने की संभावना है इसलिए बातचीत में विनम्रता बनाए रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें अन्यथा आपका बजट बिगड़ सकता है। मां सरस्वती की पूजा करें जिससे आपकी वाणी में प्रभाव और निर्णय क्षमता में प्रखरता आएगी।

मीन

आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ और प्रगतिदायक सिद्ध होगा और अचानक धन लाभ के मजबूत योग बनेंगे। अध्ययन और शोध कार्य में लगे लोगों को विशेष सफलता मिलेगी। गाय को हरा चारा अथवा गुड़ खिलाएं जिससे आपके घर में शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन भवन के ईशान कोण अथवा मुख्य द्वार को स्वच्छ रखकर वहां गुलाब जल मिश्रित जल का छिड़काव करने तथा देसी घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है तथा महालक्ष्मी की कृपा से घर में अखंड धन धान्य और सुख शांति का स्थायी वास होता है।

वाह रे, बारिश से तेज तेजस्वी

भूतेश्वर रेलवे अंडरपास पहुंचे नगर आयुक्त ने स्वयं पानी में खड़े रहकर त्वरित शुरू कराई जल निकासी

टीएनएफ टुडे, मथुरा। मंगलवार को दोपहर लगभग 12:00 बजे अचानक शुरू हुई तेज बारिश के दौरान नगर आयुक्त महोदय ओजस्वी राज ने तत्काल भूतेश्वर रेलवे अंडरपास पहुंचकर जलभराव की स्थिति एवं जल निकासी की व्यवस्थाओं देखी एवं तत्काल जल निकासी का कल शुरू करवाया । लगभग दो घंटे तक हुई तेज बारिश के कारण भूतेश्वर रेलवे अंडरपास में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर नगर आयुक्त महोदय पानी में भीगते हुए मौके पर उपस्थित रहकर तत्काल जल निकासी का कार्य शुरू कराया।

जल निकासी कार्य को प्रभावी एवं तीव्र गति से संचालित करने के लिए अंडरपास के सम्पवेल में 50 ल्ठ एवं 80 ल्ठ क्षमता की दो मोटरों को निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नाले में 30 ल्ठ क्षमता की एक मोटर लगाकर भी जल निकासी का कार्य कराया जा रहा है। सभी पंपों के माध्यम से लगातार पंपिंग कर अंडरपास में जमा वर्षा जल को निकाला जा रहा है।

आमजन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नगर आयुक्त महोदय के निर्देश पर अंडरपास के दोनों ओर तत्काल बैरिकेडिंग कर आवागमन को अस्थायी रूप से रोका गया, ताकि कोई वाहन अथवा व्यक्ति जलभराव वाले क्षेत्र में फंस न सके। नगर आयुक्त महोदय स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर वाहनों एवं आमजन को वैकल्पिक मार्गों की ओर भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कराते रहे।

नगर आयुक्त ने पूरे वर्षा के दौरान मौके पर उपस्थित रहकर जल निकासी सहित अन्य व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही नया बस स्टैंड अंडरपास एवं अन्य जलभराव संभावित स्थलों की स्थिति का वीडियो कॉल के माध्यम से भी लगातार जायजा लिया गया। यह भी अवगत कराना है कि नया बस स्टैंड अंडरपास पर वर्तमान में जलभराव की कोई समस्या नहीं है तथा वहां यातायात का आवागमन सुचारू रूप से संचालित है। वर्तमान में नगर निगम की टीमें एवं पंप ऑपरेटर मौके पर लगातार सक्रिय रहकर जल निकासी का कार्य कर रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से भूतेश्वर अंडरपास पर आवागमन को कुछ समय के लिए रोका गया है। नगर निगम द्वारा जल निकासी का कार्य तेजी से कराया जा रहा है और जल निकासी पूर्ण होते ही शीघ्र ही आवागमन सुचारू कर दिया जाएगा।

नगर आयुक्त महोदय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी फील्ड में उपस्थित रहकर जलभराव वाले एवं संभावित स्थलों की लगातार निगरानी करें तथा कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल पंपों के माध्यम से जल निकासी सुनिश्चित कराई जाए। नगर आयुक्त महोदय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल निकासी कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी कदम तत्काल उठाए जाएं। वर्तमान में नगर निगम की टीमें एवं पंप ऑपरेटर मौके पर लगातार सक्रिय रहकर जल निकासी का कार्य कर रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से भूतेश्वर रेलवे अंडरपास पर आवागमन लगभग 2 घंटे तक बाधित रहा। लगभग 1:00 बजे से 3:00 बजे तक आवागमन रोका गया, जिसके पश्चात दोपहर 3:20 बजे से भूतेश्वर रेलवे अंडरपास पर आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में तेज बारिश के दौरान भूतेश्वर रेलवे अंडरपास पर जलभराव के कारण 10 से 12 घंटे तक आवागमन बाधित रहता था। नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा भूतेश्वर से मसानी तक नई पाइप लाइन डाले जाने के कारण अब वर्षा जल की निकासी तेजी से हो रही है और जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर भी लगभग 2 से 3 घंटे में पानी की निकासी सुनिश्चित हो जाती है। यह व्यवस्था आमजन को राहत देने के साथ-साथ आवागमन को शीघ्र सुचारू कराने में प्रभावी साबित हो रही है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर श्री लड्डू गोपाल को आई श्री काशी से भेंट

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

सनातन संस्कृति के दो दिव्य एवं प्रमुख आध्यात्मिक केन्द्रों–काशी एवं मथुरा–के मध्य श्रद्धा, समपण एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान की अनुपम परंपरा को निरंतरता प्रदान करते हुए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम से भगवान श्री लड्डू गोपाल हेतु वशेष उपहार सामग्री श्रीकृष्ण जन्मस्थान, मथुरा को श्रद्धापूर्वक प्रेषित की गई। वर्ष 2024 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रारंभ कए गए इस अभिनव धार्मिक एवं सांस्कृतिक नवाचार के अंतगत श्री काशी विश्वनाथ धाम से भगवान श्री विश्वेश्वर द्वारा श्रीकृष्ण जन्मस्थान, मथुरा में विराजमान श्री लड्डू गोपाल को उपहार सामग्री प्रेषित की गई थी।

इसी क्रम में रंगभरी एकादशी के अवसर पर भी काशी एवं मथुरा के मध्य परस्पर भेंट एवं श्रद्धा-संदेशों के आदान-प्रदान की इस पावन परंपरा को आगे बढ़ाया गया। इस नवाचारपूण परंपरा का उद्देश्य सनातन धर्म के प्रमुख तीर्थ एवं मंदिरों के मध्य आध्यात्मिक संवाद, सांस्कृतिक समन्वय तथा परस्पर श्रद्धा के संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करना है।

दिनांक 04 सतम्बर 2026 को आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के पूर्व 02 सतम्बर, 2026 को भगवान श्री लड्डू गोपाल हेतु तैयार विशेष उपहार सामग्री को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान श्री विश्वेश्वर महादेव के समक्ष विधानपूर्वक पूजन किया गया तथा भगवान श्री विश्वेश्वर को समर्पित कर उनका आशीवाद प्राप्त कया गया। तत्पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के मध्य उक्त पावन उपहार सामग्री को श्रद्धापूवक श्रीकृष्ण जन्मस्थान, मथुरा के लिए प्रेषित किया गया। इस अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिकारियों एवं आदि की उपस्थिति में कायक्रम पारंपरिक गरिमा एवं श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष नवाचार में अभवृद्ध करते हुए देश विदेश के विभिन्न देवालयों से विराजमान देवता के शुभकामना संदेश श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हेतु श्री कृष्ण जन्मस्थल न्यास को संबोधित करते हुए निर्गत करने की पहल का समन्वय श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संस्थागत नॉलेज पार्टनर टेम्पल कनेक्ट के सहयोग से कया जा रहा है।

अब तक लगभग 15 देशों से 100 से अधिक देवालयों से शुभकामना संदेश श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा प्राप्त कए जा चुके हैं जिन्हें श्री कृष्ण जन्मस्थल न्यास को भेंट सामग्री के साथ ही प्रेषित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है क वर्ष 2024 से प्रारंभ इस अभिनव परंपरा को देश एवं विदेश के विभिन्न मंदिरों तथा धार्मिक संस्थाओं द्वारा भी सराहा जा रहा है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पव के उपलक्ष्य में देश- विदेश के विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक संस्थानों से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास को नरंतर शुभकामना एवं बधाई संदेश प्राप्त हो रहे हैं, जो इस नवाचारपूण सांस्कृ तक एवं धार्मिक पहल की व्यापक स्वीकार्यता एवं महत्ता को प्रदर्शित करते हैं। श्रीकृष्ण एवं भगवान शव सनातन धम की महान आध्यात्मिक परंपराओं के प्रमुख आराध्य स्वरूप हैं।

काशी और मथुरा, दोनों ही भारतीय सनातन संस्कृति एवं आध्यात्मिक चेतना के प्रमुख केन्द्र हैं। इन दोनों पवित्र तीथ के मध्य स्थापित हो रही यह सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा समस्त सनातन समाज को एकत्व, संवाद, सहभिक्त एवं पारस्परिक श्रद्धा का संदेश प्रदान करती है। मं दर न्यास के अधका रयों एवं का मकों के सहयोग से कायक्रम को पूण शु चता, पारंप रक ग रमा एवं श्रद्धाभाव के साथ सुचारु रूप से संपन्न कराया गया।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा मंदिर न्यास के अधिकारियों एवं आदि को यह भी निदेशित किया गया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा प्रारंभ किए गए ऐसे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं जन हितकारी नवाचारों को नरंतरता प्रदान करते हुए भविष्य में भी उन्हें स्थायी स्वरूप दया जाए तथा किसी भी परिस्थित में इन परंपराओं की श्रृंखला बाधित न होने पाए। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्वयं मथुरा में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के महोत्सव में उपस्थित होकर सहभागिता करेंगे तथा श्रीकृष्ण जन्मस्थान में आर्योजित इस पावन महोत्सव के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम एवं श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मध्य स्थापित इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृ तक परंपरा को और अ धक सुदृढ़ करने का प्रयास कया जाएगा।

समारोह के उपरांत भगवान श्री लड्डू गोपाल हेतु सम पत समस्त भेंट एवं उपहार सामग्री को व धवत एवं श्रद्धापूवक श्रीकृष्ण जन्मस्थान, मथुरा के लए प्रेषित किया गया।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास समस्त देश वासियों एवं आस्थावान सनातन श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए भगवान श्रीकृष्ण एवं बाबा श्री विश्वनाथ से समस्त वश्व के कल्याण, सुख, शां त एवं समृद्धि की कामना करता है।

भक्ति, संगीत और रास के रंग में रंगा मथुरा, श्रीकृष्णोत्सव-2026 का हुआ भव्य आगाज

पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में गूंजे भजन–कीर्तन, रासलीला और नन्दोत्सव के स्वर, नाथद्वारा के वेद विद्यालय के विद्यार्थियों ने बांधा समा

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

जन्माष्टमी पर भजन-कीर्तन, रासलीला, नृत्य और लीलागायन की मनोहारी प्रस्तुतियों के साथ ही बुधवार को श्रीकृष्णोत्सव-2026 का शुभारंभ हो गया। उत्सव की तीन दिवसीय सांस्कृतिक बेला के पहले दिन डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में ऐसा भक्तिमय माहौल बना कि पूरा परिसर कान्हा की भक्ति में डूबा नजर आया।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से आयोजित श्रीकृष्णोत्सव का शुभारंभ परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, विधायक पूरन प्रकाश, परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन और हार्टफुलनेस संस्था के निशांत शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक पूरन प्रकाश, गोकुल चेयरमैन संजय दीक्षित और नाथद्वारा मंदिर ट्रस्ट से आए विशाल बाबा को परिषद के एसीईओ राजीव पाण्डेय और डिप्टी सीईओ सतीश ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

शुभारंभ अवसर पर कान्हा अकादमी के श्याम सुंदर लाल की आरती से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ। इसके बाद ह्यलाला के जन्म की बधाईह्न का गायन हुआ। एक के बाद एक कृष्ण लीलाओं और भक्ति संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बांधे रखा। कभी भजनों की मधुर धुन गूंजी तो कभी नृत्य और लीलागायन के माध्यम से बालकृष्ण की छवि जीवंत हो उठी।

नाथद्वारा से आए वेद विद्यालय के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भजन, कीर्तन, सामूहिक नृत्य और काव्यपाठ की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यार्थियों ने श्रीनाथजी के चरित्र और उनकी लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन कर दर्शकों को कृष्ण भक्ति के रस में डुबो दिया।

इसके बाद पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन की ओर से ह्यमुदरिया प्रेमह्न रासलीला और नन्दोत्सव की झांकी प्रस्तुत की गई। पारंपरिक रास शैली में सजी इस प्रस्तुति में कलाकारों के सजीव अभिनय, भावपूर्ण नृत्य और आकर्षक मंचन ने दर्शकों का मन मोह लिया।

'मुदरिया प्रेम' की कथा श्रीराधा और श्रीकृष्ण की प्रेममयी लीलाओं पर आधारित रही। राधाजी की स्वर्ण मुदरिया (अंगूठी) के गुम होने से शुरू हुई कथा में मान-मनुहार, हास्य-विनोद और प्रेम के प्रसंगों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस तरह भक्ति, संगीत और रास के इस संगम ने श्रीकृष्णोत्सव के पहले ही दिन मथुरा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की झलक दिखा दी। पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में देर तक 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारे गूंजते रहे।

श्रीकृष्णोत्सव की शोभायात्रा आज

मथुरा। श्रीकृष्णोत्सव -2026 के अंतर्गत गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। सुबह 9 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गेट नंबर-1 से निकलने वाली शोभायात्रा में ब्रज से जुड़े क्षेत्रों के पारंपरिक लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

इंद्र के इरादे भी हुए फेल, उमड़ा भक्तों का रेला

- दो घंटे घनघोर बरसात ने शहर की सड़कों पर लवालव पानी
- बरसात में ही मैदान में उतरे नगर निगम के आला अधिकारी
- बस अड्डा, भूतेश्वर अण्डर पास, छावनी स्टेशन से निकलवाया पानी
- बढ़ने लगा भक्ता का रेला, लगने लगी लम्बी लम्बी कतारें

टीएनएफ टुडे, मथुरा। कलियुग में आज दोपहर की बरसात इंद्र के कोप के समान दिखाई दी। चहुंओर काली घटओं के साथ उमड़े बादलों ने शहर को पानी पानी कर दिया। चहुंओर हल्ला मच गया कि आज तो इंद्र का कोप दिखाई दे रहा है। इसके बाद भी भक्तों के इरादे बरसात बदल नहीं सकी। देर रात तक कतारबद्ध श्रद्धालुओं का रेला बढ़ता ही दिखाई दिया। वहीं बरसात के जल भराव की स्थिति में नगर निगम के आला अधिकारियों के पसीने जरूर छूट गए।

भादो की अष्टमी के रात 12 बजे अजन्मे ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर कंस के बंदी माता पिता के यहां जन्म दिया था। उस समय आसमान में प्रलयकारी बरसात थी। यमुना भी उफान पर थी। ऐसे में वासुदेव लाला को सूप में रखकर यमुना पार कर गोकुल पहुंचे थे। ऐसे बाल गोपाल के जन्मोत्सव में अभी से श्रद्धालुओं का रेला उमड़ने लगा है। भारी बरसात भी भक्तों के हौंसलों को नहीं रोक सकी है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर चल रही लीला का भी लोग आनंद लेते दिखे। वहीं तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चैबंद हो गई है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचने वाले कई भक्त अपने मोबाइल व केमरा भी जमा कर टोकन प्राप्त करते दिखे।

लगातार भीड़ के दवाब के चलते श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्टे के सचिव कपिल शर्मा भी चहुंओर व्यवस्थाओं पर नजर रखते दिखे। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए गोविंदनगर प्रवेश द्वार संख्या तीन से प्रवेश एवं द्वार एक से भक्तों को बाहर जाने की व्यवस्था की गई है। गर्भ ग्रह में अधिक भीड़ के दबाव में भक्तों की सुविधा के लिए सुरक्षा व्यवस्था दुरस्त है, जिससे वहां सफोकेशन से बचा जा सके। मंदिर को विद्युत झालरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। वह अनायास ही हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता दिख रहा है।

नगर के होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं की बुकिंग फुल हो चुकी है। लोग वृंदावन के पीजी व होम स्टे का भी सहारा ले रहे हैं। दर्शन लाभ लेने के बाद भक्तों को श्रीखण्ड, माखन मिश्री एवं बांसुरी खरीदते देखा जा रहा है।

रारा गांव में आबादी के बीच से गुजर रही 11 हजार वोल्ट लाइन हटाने की मांग

टीएनएफ कासगंज। सहावर तहसील के ग्राम रारा में आबादी के बीच से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन को हटाने और हादसों की रोकथाम के लिए प्लास्टिक-कोटेडध्इंसुलेटेड सुरक्षित तार लगाए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अब्दुल हफीज गांधी और वारिस खां के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी प्रणय सिंह तथा विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता पीयूष कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि गांव के मुख्य मार्ग पर करीब 300 मीटर लंबी 11 हजार वोल्ट की लाइन आबादी के बीच से गुजर रही है। लाइन के आसपास कई ट्रांसफार्मर लगे हैं और ग्रामीणों का इसी रास्ते से आवागमन होता है। विद्युत तार काफी नीचे होने के कारण हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में भी गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं। करीब आठ माह पहले एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। अब्दुल हफीज गांधी ने मांग की कि विद्युत लाइन को आबादी और मुख्य मार्ग से हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही विद्युत लाइनों की ऊंचाई और सुरक्षा मानकों की जांच कराकर आवश्यक सुधार कराया जाए। उन्होंने कहा कि बिजली सुविधा और विकास के लिए है, लेकिन यदि 11 हजार वोल्ट की लाइन लोगों की जान के लिए खतरा बने तो उसे तत्काल सुरक्षित करना विभाग की जिम्मेदारी है। प्रतिनिधिमंडल ने अधिशासी अभियंता से मौके पर निरीक्षण कराकर जल्द स्थायी समाधान कराने की मांग की। इस दौरान शब्बीर खां, नकी खां, इसरार, अजुददी दिवाकर, सन्ने खां, साबिर प्रधान, दिलदार शाह, इरफान खां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मथुरा रिफाइनरी में उत्साह एवं नई प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया 67वां इंडियनऑयल दिवस

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

रिफाइनरी में 67वाँ इंडियनऑयल दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उत्कृष्टता, टीम भावना तथा इंडियनऑयल की निरंतर प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया गया। कार्यक्रम में मथुरा रिफाइनरी परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का नेतृत्व मुकुल अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, मथुरा रिफाइनरी ने किया।

समारोह का शुभारंभ प्रातः जिला चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर से हुआ। सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का परिचय देते हुए 100 से अधिक इंडियनऑयल कर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

इसके पश्चात टीम मथुरा रिफाइनरी ने कॉर्पोरेट कार्यालय एवं रिफाइनरीज मुख्यालय से लाइव प्रसारित इंडियनऑयल दिवस कार्यक्रम में सहभागिता की। मथुरा रिफाइनरी के कैंटीन क्षेत्र में इंडियनऑयल दिवस का मुख्य समारोह के दौरान केक काटकर इंडियनऑयल दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुकुल अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, मथुरा रिफाइनरी ने सभी इंडियनऑयल कर्मियों को इंडियनऑयल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने इंडियनऑयल दिवस को संगठन के प्रत्येक सदस्य के लिए गौरव का अवसर बताते हुए उन पूर्ववर्ती महानुभावों के दूरदर्शी योगदान को नमन किया, जिन्होंने इंडियनऑयल की मजबूत नींव रखी तथा संगठन को उत्कृष्टता के मार्ग पर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री अग्रवाल ने टीम मथुरा रिफाइनरी की क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इंडियनऑयल के उच्च प्रबंधन द्वारा रिफाइनरी पर जो विश्वास व्यक्त किया गया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने टीम मथुरा रिफाइनरी से आह्वान किया कि वह प्रबंधन द्वारा व्यक्त विश्वास एवं अपेक्षाओं को निरंतर सार्थक करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की दिशा में आगे बढ़े और इंडियनऑयल के विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान सुनिश्चित करे। भारतीय सैनिकों की अटूट कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कर्मचारियों से ह्लअ'६८२ ङ्मल्ल ऊ४३८ह्व (सदैव कर्तव्य पर तत्पर) की भावना को आत्मसात करने तथा उत्कृष्टता की दिशा में आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त प्रयास करने के लिए सदैव तैयार रहने का आह्वान किया।

इससे पूर्व आईओएमआरकेएस के अध्यक्ष तथा आईओओए, मथुरा रिफाइनरी के सचिव ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और इंडियनऑयल दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने इंडियनऑयल की गौरवशाली विकास यात्रा में निरंतर योगदान देने तथा संगठन को वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी एवं प्रतिष्ठित कंपनी के रूप में स्थापित करने के सामूहिक संकल्प को दोहराया।

समारोह में जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें इंडियनऑयल परिवार के सदस्यों ने अपनी प्रतिभा और उत्साह का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान दीर्घकालीन एवं समर्पित सेवाओं के लिए दीर्घ सेवा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच एफएलसी शुरू, 21 सितंबर तक चलेगा कार्य

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा के साथ तहसील सदर में स्थापित इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, वी.वी.पैट वेयर हाउस में ई.वी.एम. के प्रथम चरण निरीक्षण (एफ.एल.सी.) कार्य का स्थलीय निरीक्षण करते हुये अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया कि ई.वी.एम. की सुरक्षा के दृष्टिगत वेयर हाउस में एफ.एल.सी. के कार्य में पूरी सतर्कता बरती जाये।

उन्होंने कहा कि एफ.एल.सी. हॉल में एक ही प्रवेश, निकास द्वार रहेगा, जिस पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात होगा, एफ.एल.सी. का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा के बीच किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की प्रथम स्तरीय जांच का कार्य आज से प्रारम्भ हो गया है, एफ.एल.सी का कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि 21 सितम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 09 बजे से सायं 07 बजे तक संपन्न होगा, इस अवधि में पड़ने वाले अवकाश के दिनों में भी एफएलसी का कार्य संचालित रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एफ.एल.सी. हॉल में किसी भी अधिकारी, कर्मचारी, राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों आदि को सेल फोन, कैमरा, कैमरा युक्त पेन, बीड़ी, माचिस, सिगरेट, खाने-पीने की वस्तु आदि ले जाने की इजाजत नहीं होगी, एफ.एल.सी. का पूरे कार्य की सत्त सी.सी.टी.वी. कैमरे के माध्यम से रिकार्डिंग होगी, बेवकास्टिंग भी होगी। उन्होने एफ.एल.सी. के कार्य में लगे कार्मिकों से कहा कि पूरी तन्मयता के साथ कार्य करें, बॉक्स, ई.वी.एम. मशीन के नम्बर का सही ढंग से मिलान कर ई.वी.एम. मशीन को उसी नम्बर के बॉक्स में रखा जाये, यह कार्य पूरी सावधानी से किया जाये। उन्होने बताया कि एफ.एल.सी. कार्य की सम्पूर्ण प्रक्रिया को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन कराते हुए सम्पादित कराया जायेगा।

निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्यामलता आनंद, उप जिलाधिकारी सदर श्याम प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी न्यायिक भोगांव अरविंद कुमार सिंह, एल.बी.सी. वीरेश पाठक, निर्वाचन कार्यालय से सुनील मिश्रा, अवनीश सक्सैना के अलावा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि अर्जुन चौहान, राजीव कुमार चौधरी, हिंमाशू सैन, सतेन्द्र सिंह, गौरव पाल आदि उपस्थित रहे।

मैनपुरी पुलिस विभाग में फेरबदल

एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए किए 7 उप निरीक्षकों के स्थानांतरण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद में कानून और शांति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन में व्यापक स्तर पर फेरबदल किया गया है। मंगलवार को आयोजित हुई महत्वपूर्ण गोष्ठी के दौरान जनपद पुलिस स्थापना बोर्ड ने विचार-विमर्श के पश्चात कई उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करने का निर्णय लिया, जिसके तहत कुल 7 उप निरीक्षकों को नई तैनातियां सौंपी गई हैं।

जारी की गई आधिकारिक स्थानांतरण सूची के अनुसार, उप निरीक्षक शैलेश निगम को चौकी प्रभारी कस्बा थाना बेवर से स्थानांतरित करते हुए अब चौकी प्रभारी कस्बा थाना कुरावली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, उप निरीक्षक सुखबीर सिंह को थाना बेवर से हटाकर चौकी प्रभारी कस्बा थाना बेवर के पद पर तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, उप निरीक्षक सुनव्वर अली को थाना बिछवा से स्थानांतरित कर थाना कोतवाली भेजा गया है, जबकि पुलिस लाइन में अपनी सेवाएं दे रहे उप निरीक्षक राधेश्याम को थाना बिछवाँ का नया कार्यभार सौंपा गया है।

इसी क्रम में पुलिस लाइन से ही जुड़े उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह को थाना किशनी भेजा गया है ताकि वहां के प्रशासनिक कार्यों को गति मिल सके। प्रशासनिक कसावट लाते हुए उप निरीक्षक दिनेश कुमार को पुलिस लाइन से स्थानांतरित करके महत्वपूर्ण चौकी प्रभारी गणेश बुर्ज थाना कोतवाली के पद पर नियुक्त किया गया है। साथ ही, पुलिस लाइन में तैनात उप निरीक्षक मलखान सिंह को थाना बेवर में नई तैनाती दी गई है। पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों का मानना है कि इन स्थानांतरणों से थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी और आम जनता को बेहतर पुलिसिंग का लाभ मिलेगा।

मैनपुरी में जन्माष्टमी और त्योहारों के मद्देनजर धारा-163 लागू, 30 सितंबर तक रहेगा प्रतिबंध

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी में आगामी जन्माष्टमी पर्व और आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अपर जिला मजिस्ट्रेट श्यामलता आनन्द ने जानकारी दी है कि 4 सितंबर को मनाए जाने वाले जन्माष्टमी पर्व और अन्य आयोजनों के दौरान असामाजिक तत्वों तथा कुछ संगठनों द्वारा आपसी सौहार्द बिगाड़ने और लोक शांति को खतरे में डालने की आशंका है।

इसी को दृष्टिगत रखते हुए जनपद की सीमाओं के अंतर्गत शांति और कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (भा.ना.सु.सं.) की धारा-163 लागू कर दी गई है, ताकि किसी भी प्रकार की उपद्रवी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

यह निषेधाज्ञा आदेश संपूर्ण मैनपुरी जनपद में आज से प्रभावी होकर 30 सितंबर 2026 की रात्रि तक लागू रहेगा, बशर्ते इसे समय से पूर्व वापस न लिया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश के किसी भी प्रावधान या अनुच्छेद का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भा.ना.सु.सं.-2023 की संगत धाराओं के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

उ.प्र. गो-सेवा आयोग के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय 3 सितंबर को मैनपुरी का करेंगे दौरा

मैनपुरी। मैनपुरी में 3 सितंबर 2026 को उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर रहेंगे, जिसके तहत वे सुबह 9 बजे से विभिन्न गौशालाओं का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। इसके उपरांत, वे दोपहर 2.30 बजे स्थानीय पत्रकारों से वार्ता करेंगे और दोपहर 3 बजे गो-संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति के अधिकारियों व पदाधिकारियों के साथ गोवंश संरक्षण के विभिन्न विषयों पर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सभी निर्धारित कार्यक्रमों को संपन्न करने के पश्चात, वे शाम 7 बजे अगले जनपद फिरोजाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे।

मैनपुरी में आउटसोर्सिंग कर्मियों के पारिश्रमिक में वृद्धि और विकास कार्यों पर विधायक रामनरेश अग्निहोत्री का संबोधन

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मियों के बढ़े हुए पारिश्रमिक, उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो के अनावरण और इसकी वेबसाइट व पोर्टल के शुभारंभ कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के उपरांत राज मैरिज होम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भोगांव के विधायक एवं पूर्व मंत्री रामनरेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है, जिसके तहत उनके मानदेय में उल्लेखनीय वृद्धि करने के साथ-साथ उन्हें चिकित्सा सुविधाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय से आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय बढ़ाने की मांग चली आ रही थी। वर्तमान महंगाई के दौर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह पर्याप्त वृद्धि की है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। सरकार द्वारा बेहतर मानदेय और सुविधाएं दिए जाने के बाद अब कर्मचारियों का भी यह दायित्व बनता है कि वे पूरी निष्ठा, मेहनत, लगन, समयबद्धता और मन लगाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। विधायक ने राज्य सरकार की अन्य उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में लगभग 9.30 लाख सरकारी नौकरियां दी गई हैं और निजी क्षेत्रों में लगभग सवा करोड़ युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। प्रदेश में लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश से बड़े पैमाने पर उद्योग और कारखाने स्थापित किए जा रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को पिछड़े और बीमारू राज्य के रूप में देखा जाता था, लेकिन विकास-परक नीतियों के चलते आज यह देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है और जल्द ही विकास के मामले में देश में दूसरे स्थान पर होगा।

कार्यक्रम के अंत में विधायक भोगांव, नगर पालिका अध्यक्षा संगीता गुप्ता और मुख्य विकास अधिकारी ने उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की कन्या विवाह सहायता योजना के लाभार्थियों सोनी, शांति, राजेंद्र सिंह, श्रीदेवी और अजय को प्रमाण पत्र वितरित किए। इसके साथ ही, नगर विकास विभाग की ओर से करण कुमार, जीतू कुमार, मुकुल कुमार और महेश चंद्र साहिल को सुरक्षा किट प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आलोक गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष संगीता गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गोविंद भदौरिया, विशंभर तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, परियोजना निदेशक डीआरडीए शोभनाथ चौरसिया, डीसीएलआरएलएम शौकत अली, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी सूर्यप्रताप, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी राजनाथ राम और नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी बुद्धि प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के तमाम अधिकारी और बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपस्थित रहे।

रारा गांव में आबादी के बीच से गुजर रही 11 हजार वोल्ट लाइन हटाने की मांग

टीएनएफ कासगंज। सहावर तहसील के ग्राम रारा में आबादी के बीच से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन को हटाने और हादसों की रोकथाम के लिए प्लास्टिक-कोटेडइंसुलेटेड सुरक्षित तार लगाए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अब्दुल हफीज गांधी और वारिस खां के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी प्रणय सिंह तथा विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता पीयूष कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि गांव के मुख्य मार्ग पर करीब 300 मीटर लंबी 11 हजार वोल्ट की लाइन आबादी के बीच से गुजर रही है। लाइन के आसपास कई ट्रांसफार्मर लगे हैं और ग्रामीणों का इसी रास्ते से आवागमन होता है। विद्युत तार काफी नीचे होने के कारण हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में भी गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं। करीब आठ माह पहले एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। अब्दुल हफीज गांधी ने मांग की कि विद्युत लाइन को आबादी और मुख्य मार्ग से हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही विद्युत लाइनों की ऊंचाई और सुरक्षा मानकों की जांच कराकर आवश्यक सुधार कराया जाए।

मैनपुरी में श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, यादव महासभा ने जारी किया आमंत्रण पत्र

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर इस वर्ष भी नगर में यादव महासभा द्वारा एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में यादव महासभा मैनपुरी की ओर से प्रेस वार्ता का आयोजन कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई और आमंत्रण पत्र भी जारी किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह भव्य शोभायात्रा आगामी 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को प्रातः 10.00 बजे से करहल चौराहा से प्रारंभ होगी। यात्रा करहल चौराहे से चलकर संता बसंता चौराहा, क्रिश्चियन तिराहा और ईशन नदी पुल से होते हुए दीवानी रोड स्थित यादव महासभा भवन (श्री राधा कृष्ण मंदिर) पर पहुंचकर संपन्न होगी।

यादव महासभा मैनपुरी के जिलाध्यक्ष रावल सिंह यादव ने क्षेत्रवासियों से इस पावन आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ उठाने की अपील की है। कार्यक्रम को सफल बनाने में महामंत्री ऋषि यादव और युवा जिलाध्यक्ष विपुल यादव सहित पूरी महासभा टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई है। यादव महासभा द्वारा समस्त नगरवासियों को इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान में सादर आमंत्रित किया गया है।

अलीगढ़ पुलिस ने 34 लाख कीमत के फोन उनके मालिकों को सौंपे

अलीगढ़। मंगलवार को अलीगढ़ पुलिस ने 200 चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिए हैं। मंगलवार को एसएसपी नीरज कुमार जादौन की मौजूदगी में मोबाइल लौटाए गए। इन मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत करीब 34 लाख रुपये बताई गई है। वरिष्ठ पुलिस नीरज जादौन ने बताया कि अलीगढ़ पुलिस की सर्विलांस टीम ने पिछले एक वर्ष में कुल 1,441 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन सभी फोनों को उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाया गया है। बरामद किए गए इन मोबाइल फोनों की कुल कीमत लगभग 2 करोड़ 64 लाख रुपए है। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और समय-समय पर बरामद मोबाइल उनके स्वामियों को लौटाए जाते रहेंगे। एसएसपी ने मोबाइल सुरक्षा को लेकर जनता को जागरूक भी किया। उन्होंने सलाह दी कि मोबाइल या सिम कार्ड गुम होने या चोरी होने पर तत्काल संबंधित थाने में सूचना दें। इसके अलावा भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने और मोबाइल सेवा प्रदाता से संपर्क कर सिम को तुरंत ब्लॉक कराने की भी सलाह दी गई। ऐसा करने से मोबाइल और सिम के दुरुपयोग को रोका जा सकता है, जिससे संभावित साइबर अपराधों से बचाव संभव होगा। अहमदगढ़ निवासी सुमित ने बताया कि उनका और उनके बहनोई का मोबाइल चोरी हो गया था, जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मोबाइल वापस मिलने पर उन्होंने अलीगढ़ पुलिस का आभार व्यक्त किया। विजयगढ़ निवासी सौरभ कुमार ने बताया कि उनका मोबाइल पिछले वर्ष खो गया था, जिसे पुलिस ने तकनीकी सहायता से खोज निकाला।

मैनपुरी में बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना के तहत आवेदन आमंत्रित, 32 व्यक्तियों को मिलेगा लाभ

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी के जिला विकास अधिकारी अजय कुमार ने घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र नागरिकों को रोजगार स्थापित करने हेतु 'बाबा साहब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत बैंक ऋण पर अनुदान सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदक की आयु 18 से 65 वर्ष के बीच और वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम होनी चाहिए। जनपद में कुल 32 व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाएगा, जिनमें 12 लाभार्थी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से तथा 20 लाभार्थी सामान्य वर्ग से होंगे। विकास खंडवार लक्ष्यों के तहत बेवर और सुल्तानगंज में 5-5, किशनी में 4, तथा बरनाहल, करहल, कुरावली, मैनपुरी, घिरोर और जागीर विकास खंडों में 3-3 व्यक्तियों का चयन किया जाएगा।

योजना के तहत आवेदन पत्र संबंधित खंड विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं, जिन्हें व्यक्तिगत रूप से या पंजीकृत डाक द्वारा 30 सितम्बर को अपरह्न 05 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति, राशन कार्ड, परिवार आईडी, आरक्षित वर्ग के लिए जाति प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साइज फोटो संलग्न करने होंगे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित खंड विकास अधिकारी कार्यालय में सहायक विकास अधिकारी (ग्राम विकास) से संपर्क किया जा सकता है।

12 सितंबर को जिला न्यायालय से तहसील स्तर तक लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलीगढ़ के निदेर्शानुसार 12 सितंबर शनिवार को जिला न्यायालय से तहसील स्तर तक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराकर आमजन को शीघ्र और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के उद्देश्य से मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के विश्राम कक्ष में जिले के समस्त बैंकों के अधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक संबंधी अधिकाधिक वादों एवं प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किए जाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने बैंकों से संबंधित ऐसे प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित करें, जिनमें पक्षकारों के मध्य आपसी सुलह-समझौते की संभावना हो और उन्हें अधिकाधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण के लिए प्रस्तुत करें।

योगी आदित्यनाथ ने आउटसोर्स कार्मिकों के भविष्य को सुरक्षित और उज्जवल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश (आउटसोर्स सेवा निगम) के शुभारंभ के साथ कई प्रमुख और ऐतिहासिक घोषणा की

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

बुधवार को माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग के साथ-साथ कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों के हितों के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है, माननीय मुख्यमंत्री जी का यह वाक्यांश इस बात को प्रमाणित करता है, कि सुशासन की पहली शर्त संवेदनशीलता है, यदि आउटसोर्स कर्मचारी दिन-रात परिश्रम करते हैं, तो उस परिश्रम के प्रति उनके भी कुछ अधिकार हैं, जो उन्हें हर हाल में मिलना चाहिए, हमारी संवेदनशीलता ही, हमारी पहचान बननी चाहिए, तभी एक स्वस्थ्य और सशक्त लोकतंत्र की स्थापना संभव है। आउटसोर्स नियमावली के तहत कार्मिकों के अधिकारों, सुरक्षा और पारदर्शिता की गारंटी सुनिश्चित की जा रही है।

इसी क्रम में जनपद फिरोजाबाद के पालीवाल हॉल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक मनीष असीजा, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, नगर आयुक्त प्रशांत नागर आदि की गरिमामयी उपस्थिति रहीं। इस दौरान जनपद के समस्त विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों ने भारी संख्या में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, आउटसोर्स कार्मिकों के लिए यह घोषणा की गई कि प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख के भीतर निश्चित रूप से मानदेय का भुगतान होगा, नए एवं पुराने सभी कार्मिकों के ई0पी0एफ0 एवं ई0एस0आई0 खाते अनिवार्य रूप से खोले जाएंगे तथा बैंक खातों में सीधा भुगतान किया जाएगा, मनमानी और असमान कमीशन की व्यवस्था को खत्म कर एकीकृत व पारदर्शी तंत्र की

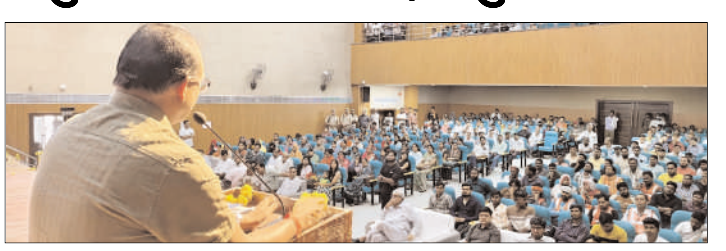

स्थापना की जाएगी, नियमों के अनुसार एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0, ई०डब्ल्यू0एस0, महिला एवं दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण का पूर्ण अनुपालन होगा।

कोई भी एजेंसी बिना विभाग और (यू0पी0सी0ओ0एस0) की सहमति के बिना किसी कार्मिक को हटा नहीं सकती, प्रत्येक कार्मिक का यू0पी0सी0ओ0एस0 में माइग्रेशन किया जाएगा तथा उन्हें एक विशिष्ट यूनिक कोड और पहचान पत्र निर्गत होगा, कार्मिकों की कार्य क्षमता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ""प्रदेश सरकार का यह ऐतिहासिक निर्णय है, साथ ही आउटसोर्स कार्मिकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी भी सेवा प्रदाता संस्था द्वारा आउटसोर्स पर कार्यरत कर्मचारियों के साथ किसी प्रकार का उत्पीडन किया जाता है, तो आउटसोर्स सेवा निगम का अंतिम और बाध्यकारी होगा, यह निगम आउटसोर्स कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए प्रभावी रूप से कार्य करेगा, नये निगम के गठन से पूरे प्रदेश के सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियो के मामले में एकरूपता आएगी, इससे विभिन्न विभागों में मानदेय और सुविधाओं से उत्पन्न होने वाली विसंगति एवं विवाद समाप्त होंगे। इस अवसर पर बोलते हुए सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, उन्होंने पुराने दिनों की याद करते हुए कहा कि पहले नगर निगम में कार्य करते समय आउटसोर्स कर्मचारी को मात्र रुपए 50 प्रतिदिन मानदेय मिलता था और उनके काम की कोई निश्चितता नहीं होती थी, परंतु सरकार द्वारा आउटसोर्स कार्मिकों के लिए लिया गया।

सरकारी विद्यालयों की बदहाल व्यवस्थाओं पर एडीएचआर की पहल पर जिला प्रशासन ने दिखाई सख्ती

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

हाथरस। जनपद के सरकारी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को बेहतर, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने की मांग को लेकर एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स (एडीएचआर) द्वारा जिलाधिकारी हाथरस को दिए गए विस्तृत ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। एडीएचआर राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय व जिलाध्यक्ष कमलकांत दोवराबाल द्वारा दिनांक 27 अगस्त को जिलाधिकारी अतुल वत्स की उपस्थिति मे ओसी कलेक्ट्रेट उपजिलाधिकारी अर्चना शर्मा को सौंपे गए ज्ञापन में जनपद के सरकारी विद्यालयों की शैक्षिक एवं बुनियादी व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की गई थी। ज्ञापन में कहा गया था कि शिक्षा का अधिकार केवल विद्यालय में प्रवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त कक्षाएं,

उचित फर्नीचर, पर्याप्त शिक्षक, पौष्टिक भोजन और सम्मानजनक शैक्षिक वातावरण मिलना भी आवश्यक है।

ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी अतुल वत्स द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, हाथरस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हाथरस द्वारा पत्रांक 9264-68/2026-27, दिनांक 01 सितंबर के माध्यम से जनपद के समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजकर विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराने तथा की गई कार्रवाई की आख्या कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बीएसए द्वारा भेजे गए पत्र में एडीएचआर के ज्ञापन के साथ संलग्न प्रमुख मांगों एवं व्यवस्थाओं को विद्यालयों में समयान्तर्गत सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है। इनमें प्रमुख रूप से–स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था।स्वच्छ एवं क्रियाशील शौचालय जर्जर विद्यालय भवनों का सर्वेक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई,छात्र संख्या के अनुसार पर्याप्त एवं सुरक्षित कक्षाएं, प्रत्येक बच्चे के लिए उचित फर्नीचर।,स्वच्छ एवं खेलने योग्य खेल मैदान, विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण

एडीएचआर की पहल का असर: पेयजल, शौचालय, जर्जर भवन, फर्नीचर, शिक्षक, बिजली-पंखे, मध्यान्ह भोजन समेत 18 बिंदुओं पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

एवं पौष्टिक मध्यान्ह भोजन, गुणवत्तापूर्ण ड्रेस एवं शैक्षिक सामग्री, बिजली, पंखे एवं प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ एवं सुरक्षित विद्यालय परिसर, बालिकाओं के लिए विशेष सुविधाएं।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं सुगमआवागमन, विद्यालयों का नियमित एवं प्रभावी निरीक्षण विद्यालयवार सार्वजनिक रिपोर्ट तैयार करने की व्यवस्था, प्रभावी शिकायत एवं निगरानी व्यवस्था, बच्चों की गरिमा एवं सुरक्षा तथा भेदभाव रहित वातावरण सुनिश्चित करना,विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता उपस्थिति एवं सीखने के स्तर की समीक्षा। सिर्फ प्रवेश नहीं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी जरूरी एडीएचआर के ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 और 21-क (21अ) का उल्लेख करते हुए कहा गया था कि बच्चों को शिक्षा का अधिकार तभी वास्तविक रूप से सार्थक माना जा सकता है, जब उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो।ज्ञापन में यह भी कहा गया था कि किसी बच्चे को केवल इसलिए असुविधाजनक या असुरक्षित परिस्थितियों में पढ़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह सरकारी विद्यालय में अध्ययन कर रहा है। गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी समान अवसर और बेहतर शैक्षिक वातावरण मिलना चाहिए।

अब खंड शिक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी पत्र में संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे ज्ञापन में उल्लिखित व्यवस्थाओं को विद्यालयों में समयान्तर्गत सुनिश्चित कराएं तथा की गई कार्रवाई की आख्या जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस कार्रवाई से अब यह उम्मीद जगी है कि जनपद के सरकारी विद्यालयों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कर कमियों को चिन्हित किया जाएगा और आवश्यक सुधार के लिए संबंधित स्तर पर कार्रवाई होगी।

एडीएचआर ने प्रशासन की कार्रवाई का किया स्वागत एडीएचआर के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय ने जिला प्रशासन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा ज्ञापन का संज्ञान लेकर कार्रवाई प्रारंभ किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि–हमारा उद्देश्य किसी विभाग अथवा अधिकारी की आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को उनका उचित अधिकार दिलाना है।

हाथरस में जिला एथलेटिक्स एवं बैडमिन्टन प्रतियोगिता का जिला स्तरीय चयन/ट्रायल्स

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय, हाथरस द्वारा स्पोर्ट्स स्टेडियम, हाथरस में जिला स्तरीय समन्वय जूनियर बालक वर्ग कबड्डी व प्रदेशीय महिला एथलेटिक्स एवं बैडमिन्टन प्रतियोगिता का जिला स्तरीय चयन/ट्रायल्स उप क्रीडा अधिकारी काशी नरेश यादव के दिशा -निर्देशन में अंसार हुसैन, सुजी यादव, वर्षा रानी व सत्य नारायण द्वारा लिया गया।जनपद हाथरस के चयनित खिलाडी मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल में दिनांक 03.08.2026 को अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम, अलीगढ में प्रतिभाग करेंगें। जनपद हाथरस के चयनित खिलाडियों की सूची निम्नवत है- जूनियर बालक वर्ग कबड्डीः- नागेश कुमार, लव शर्मा, आवास पुजे, सुमित, गौरव कुमार, विकास शर्मा, हरि किशन, अर्जुन कुमार, बलराम सिंह, दीपेन्द्र यादव, अनंत कुमार, प्रशान्त कुमार, मानवेन्द्र कुमार, दानवीर सिंह। प्रदेशीय महिला वर्ग एथलेटिक्सः- गरिमा, भूमि, नेहा, माही, काकुल, प्राची, रानू, दीपिका, अंभिका, लवी, मोनिका। प्रदेशीय महिला वर्ग बैडमिन्टनः- लेखान्शु, सौम्या सिंह।

पति ने पत्नी से कहा– 'जा रहा हूं गंगा में डूबने', फिर पुल से लगा दी छलांग

घरेलू क्लेश में उफनती गंगा में कूदा किसान, कादरगंज घाट पर मचा कोहराम

टीएनएफ टुडे, सिकंदरपुर वैश्य।

थाना क्षेत्र के गांव नगला भरत में घरेलू विवाद से आहत एक युवक ने अपनी पत्नी से 'गंगा में डूबने जा रहा हूं' कहकर घर छोड़ दिया और कादरगंज पुल से उफनती नदी में छलांग लगा दी। परिजनों और ग्रामीणों के देखते ही देखते युवक तेज बहाव में समा गया। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। तीन दिन तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद मंगलवार शाम कादरगंज घाट से करीब 200 मीटर की दूरी पर युवक का शव बरामद हुआ।

विवाद के बाद खोया आपा, बाइक से पहुंचकर गंगा में कूदा

घटना नगला भरत निवासी रतीराम (35) के साथ शनिवार दोपहर घटी। किसी बात को लेकर घर में कहासुनी हुई, जिसके बाद रतीराम आपा खो बैठा। उसने पत्नी से कादरगंज घाट पर जाकर डूबने की बात कही और तेजी से बाइक चलाकर निकल गया। पत्नी के चिल्लाने पर ग्रामीणों ने पीछा भी किया, लेकिन जब तक वे पुल तक पहुंचते, रतीराम बाइक खड़ी कर नदी में छलांग लगा चुका था। गंगा का जलस्तर और बहाव तेज होने के कारण कोई भी उसे बचाने का साहस नहीं जुटा सका।

बचपन में उठा था मां-बाप का साया, अब अनाथ हुए तीन मासूम

पेशे से खेती-किसानी करने वाले रतीराम के सिर से बचपन में ही माता-पिता का साया उठ गया था। रतीराम के असमय चले जाने से उसके तीन छोटे-छोटे बेटों आनंद (10), सिद्धार्थ (8) और प्रज्ञानंद (6) के सिर से पिता का

साया भी उठ गया है। पति की मौत की पुष्टि होते ही पत्नी उत्तरवती और तीनों बेटों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम का माहौल है।

प्रशासनिक लेटलतीफी पर ग्रामीणों का गुस्सा, मंगलवार को मिला शव

घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के काफी देर बाद तक गोताखोर नहीं पहुंचे, जिससे लोगों में काफी आक्रोश दिखा। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि पुलिस प्रशासन ने बहाव तेज होने की बात कहते हुए लगातार गोताखोरों और फ्लड यूनिट की मदद से सर्च ऑपरेशन जारी रखा। आखिरकार मंगलवार शाम करीब 5 बजे कादरगंज घाट से 200 मीटर दूर नदी में रतीराम का शव उतराता हुआ मिल गया, जिसे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम गृह पर भेज दिया

17 वर्षीय किशोर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सिढ़पुरा (कासगंज)। थाना क्षेत्र के गांव नगला परसी में एक 17 वर्षीय किशोर का शव उसके ही घर में फांसी के फंदे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मृतक के परिजनों ने प्रेम प्रसंग के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई है। घर के अंदर फंदे से झूलता मिला किशोर का शव मंगलवार को पीआरवी 5760 के जरिए पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम नगला परसी निवासी अमर सिंह (17) पुत्र स्वर्गीय रामवीर सिंह (जाति लोधी राजपूत) ने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक कुंवरपाल सिंह और उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट की टीम ने बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। 29 अगस्त को गंजडुंडवारा में हुई थी मारपीट मृतक के बड़े भाई दीपक (निवासी धनसिंहपुर) ने बताया कि उसके छोटे भाई अमर सिंह का गांव की ही एक लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश को लेकर 29 अगस्त को गंजडुंडवारा में लड़की पक्ष के परिजनों–शेर सिंह पुत्र रामलाल और सिपाहीलाल पुत्र रामलाल (निवासीगण नगला परसी)–ने अमर के साथ मारपीट की थी। परिजनों ने इसी विवाद के चलते हत्या कर शव लटकाए जाने की आशंका व्यक्त की है। पुलिस जांच में जुटी, साथी को गंज पुलिस ने पकड़ा था मामले में थाना प्रभारी प्रदीप मालिक ने बताया कि 29 अगस्त की घटना के दौरान लड़की के साथ मृतक के साथी प्रहलाद को गंजडुंडवारा पुलिस ने मौके से पकड़ा था। जबकि अमर सिंह वहां से भाग निकला था। पुलिस का कहना है कि घटना के संबंध में फिलहाल थाने पर कोई लिखित प्रार्थना पत्र (तहरीर) प्राप्त नहीं हुआ है। मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियां

ईवीएम एवं वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) का हुआ शुभारंभ

02 सितंबर से निर्धारित रोस्टर के अनुसार प्रत्येक दिन सुबह 09 :00 बजे से शाम 07 :00 बजे तक चलेगी एफएलसी प्रक्रिया, ईसीआईएल, हैदराबाद द्वारा नियुक्त तकनीकी विशेषज्ञों की टीम द्वारा की जायेगी

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल वत्स तथा विभिन्न राष्ट्रीय/राज्यीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज कंट्रोल यूनिट , बैलेट यूनिट एवं वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) निर्धारित प्रोटोकॉल एवं भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुरूप प्रारंभ की गई।जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल वत्स ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जनपद में ईवीएम एवं वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) का कार्य 02 सितंबर, 2026 निर्धारित रोस्टर के अनुसार सुबह 09:00 बजे से शाम 07:00 बजे तक कराया जाएगा। एफएलसी का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन में उपयोग होने वाली मशीनों की तकनीकी एवं कार्यशीलता संबंधी जांच कर यह सुनिश्चित करना है कि मतदान के दौरान किसी भी मशीन में तकनीकी खराबी की संभावना न्यूनतम रहे तथा मतदान प्रक्रिया निर्बाध एवं पारदशीढंग से संपन्न हो। उन्होंने बताया कि एफएलसी के दौरान कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट एवं वीवीपैट की तकनीकी जांच की जाएगी। इस कार्य के लिए हैदराबाद से इंजीनियरों की विशेष तकनीकी टीम जनपद में पहुंची है, जो निर्धारित प्रक्रिया एवं तकनीकी मानकों के अनुसार मशीनों की गहन जांच करेगी। पूरी प्रक्रिया राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जा रही है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) की पूरी प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं मानकों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में प्रयुक्त होने वाले सभी उपकरणों की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करना निर्वाचन की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एफएलसी के माध्यम से ईवीएम एवं वीवीपैट की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के साथ ही निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता भी मजबूत होगी।उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशांत तिवारी ने बताया कि जनपद में एफएलसी के अंतर्गत 2189 कंट्रोल यूनिट, 1984 बैलेट यूनिट एवं 1984 वीवीपैट मशीनों की जांच की जाएगी। एफएलसी के दौरान मशीनों की कार्यशीलता, तकनीकी स्थिति एवं अन्य निर्धारित मानकों की जांच के साथ आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी, जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान के समय मशीनों के संचालन में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।आज भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामित अवर सचिव/नोडल अधिकारी राकेश कुमार ने कंट्रोल यूनिट (उव), बैलेट यूनिट (इव) एवं वीवीपैट (श्ढअळ) की फर्स्ट लेवल चेकिंग कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने फर्स्ट लेवल चेकिंग कार्य को निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्दशानुसार करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर भाजपा से जिला मीडिया प्रभारी सुनील वर्मा, जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी अजय सिकरवार, जिलाध्यक्ष कांग्रेस विवेक उपाध्याय, जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी जगदीश प्रसाद यादव सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, प्रभारी अधिकारी निर्वाचन, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान सम्मान दिवस-2026 के लिए कृषकों से आवेदन आमंत्रित

टीएनएफ टुडे, एटा।।

कृषि निदेशक सुमित कुमार ने बताया कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी (भूतपूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार) के जन्मदिवस 23 दिसम्बर को किसान सम्मान दिवस-2026 के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए इच्छुक कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक कृषक उप कृषि निदेशक कार्यालय से आवेदन प्रारूप प्राप्त कर ?10 प्रति कृषक शुल्क जमा कर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त शुल्क को संबंधित लेखा शीर्षक में जमा कर उसकी रसीद/चालान सहित आवेदन अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा किया जा सकता है। कृषक आवेदन/चालान की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2026 तक आवेदन जमा कर सकते हैं।

किसान सम्मान दिवस-2026 के अंतर्गत खरीफ-2026 की धान (संकर प्रजाति को छोड़कर),

30 सितम्बर 2026 तक जमा किए जा सकेंगे आवेदन एवं शुल्क

मक्का, उर्द, अल्पकालीन अरहर एवं तिल फसलों तथा न्यूट्री सीरियल/उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो एवं सांवा फसलों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में इस योजना के अंतर्गत पुरस्कृत कृषक पुनः प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे। फसलोत्पादन श्रेणी के अंतर्गत अधिसूचित फसलों के लिए कृषक द्वारा बोया गया क्षेत्रफल न्यूनतम एक एकड़ होना आवश्यक है। इससे कम क्षेत्रफल होने पर कृषक प्रतियोगिता के लिए पात्र नहीं होंगे। प्रतियोगिता एवं आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी कृषक अपने क्षेत्र के सहायक विकास अधिकारी (कृषि), टी.ए.सी., बी.टी.एम., ए.टी.एम. अथवा किसी भी कार्य दिवस में उप कृषि निदेशक कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

एएमयू: 500 करोड़ की जमीन पर नगर निगम के कब्जे के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

मंगलवार को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्रों ने एएमयू की जमीन और हॉर्स राइडिंग क्लब पर नगर निगम के कथित कब्जे के विरोध में प्रदर्शन किया। पीजी छात्र यासिर फहाद ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और नगर निगम की कार्रवाई का कड़ा विरोध दर्ज कराया।

यासिर फहाद के अनुसार, ।ड- के हॉर्स राइडिंग क्लब की कीमती जमीन पर नगर निगम ने अचानक कब्जा कर बोर्ड लगा दिया है। छात्रों का आरोप है कि लगभग 500

करोड़ रुपये की इस जमीन के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह से खामोश है। छात्रों ने बताया कि क्ड का स्पष्ट निर्देश था कि विवादित जमीन पर यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। मालिकाना हक स्पष्ट होने तक कोई दखल नहीं दिया जाएगा। ऐसे में नगर निगम की यह कार्रवाई पूरी तरह से अवैध है।

छात्रों ने प्रॉक्टर, एमआईसी और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि जब लीगल टीम और छात्र अधिकारियों से बात करने की कोशिश करते हैं, तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता।

छात्रों ने चिंता व्यक्त की कि हॉस्टल और फैकल्टी की कमी के बीच इतनी बड़ी जमीन का हाथ से निकल जाना संस्थान के भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। विरोध स्वरूप छात्रों ने एक मार्च निकालकर नगर निगम के खिलाफ हॉर्स राइडिंग क्लब वाली जमीन पर जाकर ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया था।

हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य गेट को पहले ही बंद करवा दिया और छात्रों को कैंपस से बाहर जाने से रोक दिया। प्रशासन ने कहा कि छात्रों का संदेश संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा दिया जाएगा। छात्रों ने प्रशासन के इस रवैये की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन अपनी ही जमीन पर जाने से रोककर नगर निगम का समर्थन कर रहा है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस मामले में ठोस कदम नहीं उठाया और जमीन बचाने के लिए कानूनी व प्रशासनिक स्तर पर लड़ाई नहीं लड़ी, तो वे नगर निगम और प्रशासन के खिलाफ और भी बड़े कदम उठाने को मजबूर होंगे।

एफ.एल.एन. प्रशिक्षण में नवीनतम भाषा एवं गणित पर रहा फोकस

टीएनएफ टुडे, पटियाली।

उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेशन शिक्षक प्रशिक्षण वर्तमान में गतिमान है उसी क्रम में खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के पटियाली ब्लॉक संसाधन केंद्र पर भी यह प्रशिक्षण चल रहा है जिसमें शिक्षकों के उत्साहवर्धन के साथ-साथ कौशल सिखाए जा रहे हैं शिक्षक जिससे आने वाली चुनौतियां का निस्तारण कर सकें नई शिक्षा नीति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण में की रिसोर्स पर्सन सत्येंद्र सिंह एवं अरविंद कुमार द्वारा बेहतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें सहयोगी के रूप में टेक्नीशियन सूर्यकांत एवं शाहजेव अख्तर द्वारा भी पैनी नजर रखी जा रही है। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में यशवीर सिंह, रतन प्रकाश उदयवीर सिंह, कौशलेंद्र सिंह, वीरपाल सिंह सहित सैकड़ो शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

बारहपत्थर मैदान में बिना अनुमति आरक्षण प्रदर्शन, उपद्रवियों ने तोड़े बैरियर, 50 पर मुकदमा दर्ज

पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता, हमले में दो सिपाही घायल; पुलिस पर बनाया दबाव

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर के बारहपत्थर मैदान में बिना अनुमति अवैध रूप से भीड़ एकत्र कर आरक्षण का विरोध कर रहे उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाया। जब ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें शांतिपूर्वक समझाने का प्रयास किया, तो प्रदर्शनकारियों ने भड़काऊ नारेबाजी करते हुए पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। धक्का-मुक्की और बैरियर तोड़ते हुए उपद्रवियों ने सरकारी कार्य में बाधा डाली, जिसमें दो सिपाही घायल हो गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी राजू चौहान सहित 40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उप निरीक्षक रवि वर्मा की तहरीर के अनुसार, मंगलवार 1 सितंबर को बारहपत्थर मैदान में हथौड़ावन थाना क्षेत्र पटियाली

निवासी राजू चौहान पुत्र धर्मसिंह बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के 40 से 50 साथियों के साथ गैरकानूनी तरीके से भीड़ जुटाकर आरक्षण को लेकर प्रदर्शन कर रहा था। गेट नंबर-01 पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात था। जब पुलिस ने उनसे वार्ता करनी चाही, तो राजू चौहान के उकसाने पर उपद्रवियों ने उग्र होकर पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। आरोप है कि उपद्रवी जबरन बैरियर तोड़कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए मैदान से बाहर निकल आए।

इसके बाद सभी आरोपी वाहनों से नारेबाजी करते हुए सोरों की तरफ भाग निकले, जिससे सड़क पर जाम लग गया और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उपद्रवियों की धक्का-मुक्की में कांस्टेबल दीपक खोखर और कांस्टेबल शैलेंद्र चौधरी चोटिल हो गए। कोतवाली कासगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बीसीसीआई की समीक्षा बैठक

रोहित-कोहली और जडेजा के भविष्य पर चर्चा संभव

एजेंसी, मुंबई।

भारतीय क्रिकेट टीम के हालिया प्रदर्शन और भविष्य की रणनीति को लेकर बीसीसीआई की बहुप्रतीक्षित समीक्षा बैठक आखिरकार गुरुवार को मुंबई में होगी। बोर्ड मुख्यालय में होने वाली इस बैठक में बीसीसीआई के सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के शामिल होंगे।

विश्व कप की रणनीति पर होगी चर्चा

बीसीसीआई की इस बैठक में न्यूजीलैंड के सभी प्रारूपों वाले महत्वपूर्ण दौरे से पहले प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों के प्रबंधन और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की व्यापक रणनीति पर मुख्य रूप से चर्चा की जाएगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, श्रीलंका टेस्ट से पहले चयन समिति के प्रमुख को अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि जसप्रीत बुमराह अगर दो नहीं तो कम से कम एक टेस्ट खेलने के लिए फिट होंगे। बल्कि उन्होंने बुमराह की अनुपस्थिति को लेकर सीओई को अधिक स्पष्टता मांगते हुए ईमेल भी लिखा था। दूसरे टेस्ट में बुमराह की अनुपस्थिति महसूस हुई, जहां सपाट पिच पर मोहम्मद सिराज काफी खराब लय में नजर आए। यही स्थिति हार्दिक पांड्या की भी है जिन्होंने आईपीएल के बाद से कोई मैच नहीं खेला है और अगले वनडे विश्व कप के लिहाज से उनका महत्वपूर्ण होना तय है।

रोहित चर्चा के केंद्र में

अगरकर और गंभीर के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ी कब तक उपलब्ध हो सकते हैं क्योंकि बड़े दौरों और आईसीसी के महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए रणनीतिक योजना इसी पर निर्भर करती है। वहीं, बैठक में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तीन दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के भविष्य पर भी चर्चा होगी। फिलहाल कोहली और जडेजा पर ज्यादा दबाव नहीं है, लेकिन रोहित को लेकर स्थिति अलग है और वह लगातार चर्चा के केंद्र में हैं। ऐसी अटकलें लगाई जाती रही हैं कि चयन समिति के एक सदस्य ने रोहित को बताया था कि पैनल अब उनसे आगे बढ़ने का फैसला कर चुका है। हाल के इंग्लैंड दौरे में लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित से पूछा गया था कि क्या वह अपने करियर को विराम देने वाले हैं। पूर्व कप्तान और उनके करीबी लोगों ने इस मामले पर चुप्पी साधे रखी। हालांकि ऐसी चर्चा थी कि रोहित नाराज होने के बावजूद इसके लिए तैयार हो गए थे। लेकिन लॉर्ड्स में हार के बावजूद उनके शानदार शतक की वजह से कम से कम फिलहाल उनके संन्यास लेने की संभावना को खारिज कर दिया गया है। इसके बावजूद यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि रोहित अगले साल दक्षिण अफ्रीका जाने वाली उड़ान में सवार होंगे।

निरंतरता बनाए रखना चाहता है बीसीसीआई

वहीं, मुख्य चयनकर्ता अगरकर का मौजूदा अनुबंध चार अक्तूबर को समाप्त हो रहा है। लेकिन चूंकि उन्हें समीक्षा बैठक के लिए बुलाया जा रहा है इसलिए ऐसा लगता है कि बीसीसीआई वनडे विश्व कप के अंत तक निरंतरता बनाए रखना चाहता है। विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने की कोशिश के साथ-साथ बीसीसीआई यह भी चाहेगा कि गंभीर-अगरकर-लक्ष्मण की टीम एक ही रणनीति और सोच पर बनी रहे।

एशियाई खेलः खेल मंत्रालय ने 246 टीम अधिकारियों को दी मंजूरी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में 36 खेलों में हिस्सा लेने वाले 503 एथलीटों के लिए 246 टीम अधिकारियों या सपोर्ट स्टाफ को मंजूरी दी है। एशियाई खेलों का आयोजन इस महीने होना है। खेल मंत्रालय की मंजूर की गई सूची में एथलेटिक्स दल को सबसे ज्यादा 31 लोगों का सहयोगी स्टाफ मिला है जबकि क्रिकेट टीम के साथ 20 अधिकारी होंगे।

मंत्रालय ने शुरू में खेलों के लिए 492 एथलीटों को मंजूरी दी थी, लेकिन उम्मीद के मुताबिक मुख्य रूप से एथलेटिक्स दल में कुछ और नाम जोड़े गए हैं। अब भारत के कुल दल की संख्या 768 हो गई है, जिसमें चीफ द मिशन सहदेव यादव और चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. दिनशॉ पारदीवाला जैसे 19 स्टाफ सदस्य भी शामिल हैं। 79 सदस्यों वाले एथलेटिक्स दल में चोटिल भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा शामिल नहीं होंगे। एथलेटिक्स के लिए सबसे ज्यादा 31 सदस्यों का सपोर्ट स्टाफ है। इसमें नेशनल कोच पी. राधाकृष्णन की अगुआई में 20 कोच शामिल हैं।

दो क्रिकेट टीमों के लिए 20 लोगों के सपोर्ट स्टाफ को मंजूरी दी गई है, जिसकी अगुआई वीवीएस लक्ष्मण कर रहे हैं। भारत एशियाड में 36 तरह के खेलों में हिस्सा लेगा। ये खेल चार अक्तूबर को खत्म होंगे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में गिल-बुमराह खिसकेः पडिक्कल को फायदा, पंत सातवें नंबर पर

एजेंसी, दुबई।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल बुधवार को जारी आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो पायदान और जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसक गए, जबकि देवदत्त पडिक्कल 54वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। श्रीलंका दौरे पर तीन पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाने वाले गिल दो स्थान नीचे नौवें नंबर पर खिसक गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सातवें स्थान पर शीर्ष भारतीय बल्लेबाज बने हुए हैं।

पडिक्कल को श्रीलंका सीरीज में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

यशस्वी जायसवाल की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह भारतीय सलामी बल्लेबाज 11वें स्थान पर है। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में दो शतक की मदद से 328 रन बनाने वाले पडिक्कल पांच पायदान ऊपर 54वें स्थान पर पहुंच गए। दिग्गज तेज गेंदबाज बुमराह ने हालांकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान गंवा दिया है। अब वह ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

दिनुशा ने लगाई छलांग

बुमराह घुटने में चोट के कारण श्रीलंका दौरे पर नहीं जा पाए थे। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है, लेकिन उनकी उपलब्धता फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर है। भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 29 पायदान ऊपर 25वें स्थान पर

रॉबिन्सन-टंग को भी फायदा

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और जोश टंग को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन का इनाम आईसीसी की ताजा गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले दोनों ही टेस्ट मैचों में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे रॉबिन्सन का प्रदर्शन लॉर्ड्स टेस्ट में कमाल का रहा था। उन्होंने दोनों पारियों में चार-चार विकेट लिए और मैच में कुल 35 रन देकर आठ विकेट हासिल किए। रॉबिन्सन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में छह स्थान की छलांग लगाई है और वह अब पांचवें नंबर पर आ गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग से बस एक स्थान पीछे है, जो उन्होंने फरवरी 2023 में हासिल की थी। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज की शुरूआत से अब रॉबिन्सन 22 पायदान की छलांग लगा चुके हैं। टंग ने भी बड़ी बढ़त हासिल की है। मैच में पांच विकेट लेने के बाद वे चार स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने सीरीज के दौरान 20 पायदान की बढ़त हासिल की है। सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास मैच में 9 विकेट लेने के बाद 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि मोहम्मद अली ने पांच विकेट लेने के बाद 11 स्थानों की छलांग लगाई और 81वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों में पाकिस्तान के सऊद शकील ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल करने वालों में से एक रहे। दूसरी पारी में उनके 97 रनों की पारी ने उन्हें 15 स्थान ऊपर चढ़ाकर 18वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जिससे वे कप्तान बाबर आजम के बाद पाकिस्तान के दूसरे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, बाबर पांच स्थान नीचे खिसककर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

मनोरंजन

रश्मिका की 'मायसा' की रिलीज डेट का ऐलान

"कुदरत से मजबूत, अपनी पसंद से निडर और जज्बे से अटूट। रश्मिका मंदाना के साथ 'मायसा' की दुनिया का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाइए, जिसे पहले कभी न देखा। 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में।"

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'मायसा' को लेकर फैंस के बीच काफी समय से उत्सुकता बनी हुई है। एक्शन और थ्रिल से भरपूर इस फिल्म में वह एक आदिवासी गोंड लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनके किरदार में एक तरफ भावनाओं की गहराई देखने को मिलेगी, तो दूसरी तरफ वह एक मजबूत और निडर लड़की के रूप में भी नजर आएंगी। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है, जिसके बाद दर्शकों का इंतजार और बढ़ गया है। निर्देशक रवींद्र पुल्ले की 'मायसा' अब 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण अनफॉर्मुला फिल्म्स कर रहा है। प्रोडक्शन हाउस ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर फिल्म की रिलीज डेट शेयर की और लिखा, "कुदरत से मजबूत, अपनी पसंद से निडर और जज्बे से अटूट। रश्मिका मंदाना के साथ 'मायसा' की दुनिया का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाइए, जिसे पहले कभी न देखा। 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में।" 'मायसा' की शूटिंग के दौरान भी फिल्म से जुड़ी कई दिलचस्प जानकारियां सामने आती रही हैं। हाल ही में फिल्म की टीम ने रश्मिका के साथ एक खास अंडरवॉटर सीक्वेंस की शूटिंग पूरी की है। प्रोड्यूसर अजय साइपुरेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इस सीक्वेंस की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी थी। उन्होंने रश्मिका के साथ इस रोमांचक अंडरवॉटर सीक्वेंस को पूरा करने की बात कही थी।

इससे पहले मई में रश्मिका ने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया था कि 'मायसा' का केरल में चल रहा लंबा शूटिंग शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। अभिनेत्री ने इस दौरान अपनी टीम के साथ कुछ तस्वीरें भी शेयर की थीं। रश्मिका ने एक्शन सीन को शूट करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने थाईलैंड के बैंकॉक में खास स्टंट और कॉम्बैट ट्रेनिंग ली। उन्होंने वहां रोजाना आठ घंटे से ज्यादा समय तक ट्रेनिंग की थी। इस ट्रेनिंग में फाइट और स्टंट से जुड़ी कई तरह की प्रैक्टिस शामिल थी।

फिल्म में रश्मिका के अलावा ईश्वरी राव, गुरु सोमसुंदरम और राव रमेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में पहुंचेगी।

कॉमेडी में फिर वापसी कर रहीं ईशा देओल, इस फिल्म में आएंगी नजर

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

इस फिल्म में नजर आएंगी ईशा

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है। इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'।

ईशा ने कहा, "मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।"

इन फिल्मों में भी कर चुकी हैं कॉमेडी

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है। ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया।

उन्होंने कहा, "'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा

पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।"

रितेश से एल्विश तक, ये सितारे आएंगे नजर

बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

'वंडर वुमन' के अगले पार्ट पर गैल गैडोट का बड़ा बयान

डीसी फैंस को 'वंडर वुमन' की अगली फिल्म का इंतजार है और फैंस एक बार फिर गैल गैडोट को इस किरदार में देखना चाहते हैं। लेकिन गैल के हालिया बयान के बाद फैंस को थोड़ी निराशा हो सकती है।

क्या गैल गैडोट फिर बनेंगी वंडर वुमन?

स्क्रीनरेंट को दिए एक इंटरव्यू में गैल गैडोट ने साफ किया कि उनकी डीसी स्टूडियोज या डायरेक्टर जेम्स गन के साथ वंडर वुमन के किरदार में वापसी को लेकर फिलहाल कोई खास बातचीत नहीं हुई है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी आखिरी बड़ी बातचीत उस समय हुई थी, जब स्टूडियो के लोग उनसे मिले थे और वे 'वंडर वुमन 3' को डेवलप करना चाहते थे। इसके बाद से उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं सुना। गैल गैडोट ने कहा कि उनकी जेम्स गन या स्टूडियो के साथ वापसी को लेकर कोई खास बातचीत नहीं हुई है।

नई वंडर वुमन के लिए गैल ने कही खास बात

हालांकि, गैल गैडोट चाहती हैं कि 'वंडर वुमन' की कहानी और फ्रेंचाइजी आगे बढ़े। उन्होंने इस किरदार को निभाने वाली अगली एक्ट्रेस को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा, "यह एक ऐसा शानदार किरदार है, जिसे हममें से बहुत से लोग बहुत प्यार करते हैं। जो भी एक्ट्रेस इस किरदार को निभाएगी, मैं उसके लिए यही चाहती हूं कि वह इस शानदार किरदार के साथ इस बेहतरीन सफर का पूरा आनंद ले। मैं बस इस बात के लिए आभारी हूं कि मुझे इस किरदार के जूते पहनने और इस शानदार किरदार और उससे जुड़ी हर चीज को सेलिब्रेट करने का मौका मिला।"

2016 में पहली बार बनी थीं वंडर वुमन

गैल गैडोट ने पहली बार 2016 की फिल्म 'बैटमैन वर्सेज सुपरमैनः डॉन ऑफ जस्टिस' में डायना प्रिंस यानी वंडर वुमन का किरदार निभाया था। इसके बाद 2017 में उनकी सोलो फिल्म 'वंडर वुमन' रिलीज हुई। वह 'जस्टिस लीग' (2017), 'वंडर वुमन 1984' (2020) और 'जैक स्नाइडर्स जस्टिस लीग' (2021) में भी नजर आईं।

'स्ट्रीट फाइटर' के ट्रेलर में विद्युत जामवाल ने दिखाया एक्शन, मंत्रमुग्ध हुए फैंस

विद्युत जामवाल हॉलीवुड में अपनी पहचान बना रहे हैं। वह अपकमिंग एक्शन फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में वीडियो गेम कैरेक्टर 'धलसिम' का रोल निभा रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का नया ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर को यूजर्स पसंद कर रहे हैं। विद्युत जामवाल के फैंस ट्रेलर में उनके सीन को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं और उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

फैंस कर रहे विद्युत की तारीफ

किताओ सकुराई के निर्देशन में बनी इस लाइव-एक्शन फिल्म में जामवाल, कैपकॉम की मशहूर वीडियो-गेम फ्रेंचाइजी के योग मास्टर 'धलसिम' का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर में दर्शकों को एक्टर का एक्शन अवतार करीब से देखने को मिला है। इसमें ऐसे कॉम्बैट सीन भी शामिल हैं, जो उनकी फुर्ती और एक्शन को दिखाते हैं। यह किरदार अपने अनोखे योग-आधारित फाइटिंग स्टाइल के लिए मशहूर है। फैंस अभिनेता की मार्शल आर्ट्स स्किल्स और इस आइकॉनिक रोल के लिए उनकी काबिलियत की तारीफ कर रहे हैं।

धलसिम को लेकर फैंस हुए उत्साहित

जब धलसिम का किरदार निभाने के लिए विद्युत को कास्ट करने की घोषणा हुई, तो लोगों में इसे लेकर

काफी दिलचस्पी पैदा हुई। मार्शल आर्ट्स और एक्शन फिल्मों में उनके बैकग्राउंड को देखते हुए, फैंस उन्हें फिल्म में एक्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित थे।

पहले रिलीज हुआ टीजर और ट्रेलर

इस साल की शुरूआत में 'स्ट्रीट फाइटर' का पहला टीजर और टीजर रिलीज हुआ। इसमें विद्युत के किरदार की झलक मिली थी। वहीं नए क्लिप में उन्हें फाइटिंग रिंग में अपने जबरदस्त मूव्स दिखाते हुए देखा जा सकता है।

विद्युत जामवाल का हॉलीवुड में डेब्यू

बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपना एक्शन दिखा चुके अभिनेता विद्युत जामवाल 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। जामवाल ने कलारीपयट्टू में जबरदस्त ट्रेनिंग ली है।

'स्ट्रीट फाइटर' की कास्ट और रिलीज की तारीख

'स्ट्रीट फाइटर', जिसे 1987 में लॉन्च किया गया था, फाइटिंग गेम्स की एक सीरीज है। यह अलग-अलग तरह के मार्शल आर्टिस्ट के बीच जबरदस्त लड़ाई पर आधारित है। फिल्म में एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटिनियो, कैलिना लियांग और डेविड डस्टमालचियन हैं। इनके अलावा फिल्म में कोडी रोड्स, जेसन मोमोआ, कर्टिस '50 सेंट' जैक्सन और ओरविले पेक अहम किरदारों में हैं। यह फिल्म भारत और इंटरनेशनल लेवल पर 16 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।